प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक
मोर्निंग सिटी
सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 06, 18 मई से 24 मई 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

राजकुमार राव की पत्नी कहलाना पत्रलेखा को नहीं पसंद 3

डेलिगेशन पर दंगल, कांग्रेस ने सूची भेजी पर उनसे से किसी का नाम नहीं

ऑपरेशन सिंदूर पर टीम इंडिया तैयार सात सांसदों को थमाई गई 'कमान'

नई दिल्ली

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का भारत का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेगा। इनमें से चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता, जबकि तीन की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। सरकार ने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने के लिए जिन नेताओं का चयन किया है, उनमें सत्तारूढ़ दल भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और जनता दल (यूनाइटेड) के संजय झा शामिल हैं। विपक्षी दलों से कांग्रेस के शशि थरूर, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले विपक्षी नेताओं में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम प्रमुख है, हालांकि पार्टी ने जिन चार नेताओं की सूची सरकार को सौंपी थी उनमें थरूर का नाम नहीं है।

पाकिस्तान को बेनकाब करने बनाई गई टीम में थरूर का नाम भी, कांग्रेस में शुरू हुई खींचतान

किसके नेतृत्व में कहां की यात्रा

रविशंकर प्रसाद	बैजयंत पांडा	एमके कनिमोझी	श्रीकांत शिंदे	शशि थरूर	सुप्रिया सुले	संजय झा
भाजपा	भाजपा	द्रमुक	शिवसेना	कांग्रेस	राकांपा	जदयू
सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया	पश्चिमी यूरोप में भारत की टीम का नेतृत्व करेंगे	रूस और स्पेन का दौरा करेंगी	यूएई और अफ्रीकी देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे	अमेरिका जाकर पाक को बेनकाब करेंगे	ओमान, केन्या दक्षिण अफ्रीका और मिस्र	जापान, सिंगापुर द.कोरिया, मलेशिया और इंडोनेशिया

भारत ने ठान लिया है कि पाकिस्तान के झूठ और आतंक की फैक्ट्री का दरवाजा दुनिया के मंचों पर खोला जाएगा। इसी के तहत 'ऑपरेशन डिप्लोमैटिक' वॉर शुरू हो चुका है। इस मिशन की कमान उन 7 सांसदों के हाथों में थमाई गई है, जो दुनिया को बताएंगे कि कैसे पाकिस्तान आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है। आतंकवाद पर शहबाज की सरकार कैसे दुनिया की आंखों में धूल झोंक रही है।

आतंकवाद के खिलाफ देंगे एकजुटता का संदेश

ये सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका यूके यूएई दक्षिण अफ्रीका जापान और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अन्य सदस्य देशों का दौरा करेंगे। विदेश यात्रा के दौरान ये प्रतिनिधिमंडल यह बताएगा कि कैसे भारत आतंकवाद का मुकाबला कर रहा है, और क्यों पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की खबर है।

थरूर बोले, सम्मानित महसूस कर रहा

शशि थरूर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह देश का दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए पांच प्रमुख देशों में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए सरकार के निमंत्रण से 'सम्मानित' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की आवश्यकता होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा। जय हिंद

डेलिगेशन की लिस्ट पर खींचतान

केंद्र सरकार की ओर से विदेश जाने वाले डेलिगेशन की लिस्ट सामने आते ही इस पर विवाद शुरू हो गया। कांग्रेस ने इस लिस्ट पर सवाल उठा दिया है। शुक्रवार सुबह संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बात की थी। उन्होंने विदेश भेजे जाने वाले डेलिगेशन के लिए 4 सांसदों का नाम मांगा था. कांग्रेस ने चार नाम- आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के दिए थे।

कांग्रेस से एक ही नाम पर जयराम खफा

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों-नेताओं के नाम मांगे थे। कांग्रेस ने चार नाम भेजे थे। उन्होंने कहा कि अत्यंत खेदजनक है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सुझाए गए चार नामों में से केवल एक को ही शामिल किया गया है। यह मोदी सरकार की पूरी तरह से असंवेदनशील और असत्यनिष्ठ राजनीतिक सोच को उजागर करता है, और यह दर्शाता है कि किस तरह वह गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है।

भारत के खिलाफ साजिश यूट्यूबर की खुली पोल

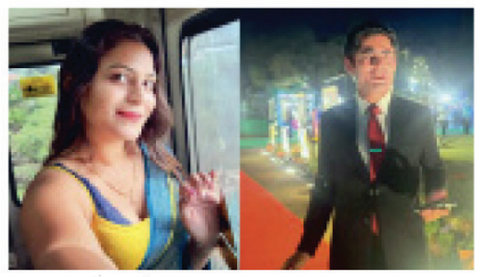

चंडीगढ़

हरियाणा की एक यूट्यूबर को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि ज्योति नाम की आरोपी को हिसार के न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया है। उसने बताया कि यूट्यूबर के खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी से मुलाकात के मामले में शनिवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

यूट्यूबर का पाकिस्तान से संबंध

कमीशन एजेंटों के माध्यम से वीजा प्राप्त करने के बाद मल्होत्रा ने 2023 में पाकिस्तान का दौरा किया था। अपनी यात्रा के दौरान, वह एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश नामक एक अधिकारी के संपर्क में आई, जो नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात था।

पाक के अनारकली बाजार के वीडियो बनाए

वीडियोज में ज्योति को अटारी-वाघा बॉर्डर पार करते हुए लाहौर के अनारकली बाजार में घूमते, बस यात्रा करते और पाकिस्तान के सबसे बड़े हिंदू मंदिर 'कटासराज मंदिर' का दौरा करते हुए देखा जा सकता है। जांच एजेंसियों का मानना है कि ज्योति मल्होत्रा को विदेशी एजेंटों ने अपने प्रभावशाली सोशल मीडिया प्रोफाइल के कारण चुना और उनसे पाकिस्तान की छवि को सकारात्मक दिखाने वाले वीडियो बनवाए गए।

केदारनाथ में हेली-एंबुलेंस की आपात लैंडिंग

रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के केदारनाथ में शनिवार को एक हेली एंबुलेंस को तकनीकी खराबी आने के बाद आपात स्थिति में उतारा गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हेली एंबुलेंस में तीन लोग सवार थे। जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि हेली एंबुलेंस में दो चिकित्सक व एक पायलट सवार थे और वे सभी सुरक्षित हैं। हेली सेवा के नोडल अधिकारी चौबे ने बताया कि सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित एक तीर्थयात्री को बचाने के लिए संजीवनी हेली एम्बुलेंस केदारनाथ गई थी , तभी उसके टेल रोटर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण पायलट को आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर को उतारना पड़ा। उन्होंने बताया कि हेलीपैड के पास समतल सतह पर आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर को उतारने के दौरान उसका टेल रोटर टूट गया। चौबे ने बताया कि नागर विमानन महानिदेशालय इस घटना की जांच करेगा। हेली एंबुलेंस श्री देवी नाम की एक मरीज को बचाने के लिए ऋषिकेश स्थित एम्स से केदारनाथ आ रही थी। केदारनाथ के मुख्य हेलीपैड पर उतरने से पहले हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खराबी आ गई।

पहली बार गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से बरामद किए गए अत्याधुनिक हथियार

करेंगुट्टा से भागे 20 नक्सली तेलगांना में हुए गिरफ्तार

जगदलपुर

छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित करेगुट्टा पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अब तक के सबसे बड़े एंटी नक्सल ऑपरेशन के बाद भागने में सफल रहे 20 हार्डकोर नक्सलियों को तेलगांना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों में 1 डिविजनल कमेटी सदस्य (डीवीसी), 5 एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) और 14 पार्टी मेंबर शामिल हैं जिन पर 60 लाख रुपए से अधिक का ईनाम घोषित था।

इंसास, एसएलआर, थ्री नॉट थ्री, 8 एमएम रायफल, लाइव ग्रेनेड व 58 हजार नगद बरामद

इन घटनाओं में शामिल थे गिरफ्तार नक्सली

गिरफ्तार किए गए सभी नक्सली तेलंगाना-छग व ओडिशा में कई नक्सल वारदातों में शामिल थे। इन वारदातों में मार्च 2017 में बीजापुर जिले के भेज्जी पुलिस थाने के अंतर्गत कोटाचेरुवु के पास पुलिस पर घात लगाकर हमला, जिसमें 11 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे

पकड़े गए नक्सली 60 लाख से अधिक के ईनामी

गोरिल्ला बेस बनाने की फिराक में थे नक्सली

तेलगांना पुलिस ने प्रेसवार्ता में बताया कि सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान माओवादी इस क्षेत्र में आईईडी बिछाकर गोरिल्ला बेस बनाने की कोशिश में लगे थे। हाल ही में नक्सलियों ने इस क्षेत्र के आदिवासियों को जंगल में प्रवेश न करने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद पुलिस ने कुल 20 नक्सलियों को धर दबोचा है।

तुर्की-अजरबैजान को बड़ा झटका, 23 संस्थानों से एमओयू रद्द

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान का समर्थन करने पर तुर्की का बायकॉट तेज हो गया है। जामिया, जेएनयू और एलपीयू के बाद देश की अन्य विश्वविद्यालय भी तुर्की के शैक्षणिक संस्थानों से शैक्षणिक संबंध खत्म कर रहे हैं। हाल ही में नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने भी मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) तोड़ दिया है।

शारदा यूनिवर्सिटी ने तुर्की के दो विश्वविद्यालयों इस्तांबुल आयदिन यूनिवर्सिटी और हसन काल्योनकु यूनिवर्सिटी के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को रद्द कर दिया है। वहीं चंड़ीगढ़ यूनिवर्सिटी ने तुर्की, अजरबैजान की 23 यूनिवर्सिटीज से संबंध तोड़ दिए हैं। यह निर्णय भारत और तुर्की के बीच बढ़ते तनाव और ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की के प्रति देशव्यापी बायकॉट अभियान के बीच लिया गया है। इससे पहले जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू), जामिया मिलिया इस्लामिया और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) जैसे संस्थानों ने तुर्की से शैक्षणिक संबंध खत्म किए हैं।

जामिया-जेएनयू के बाद चंडीगढ़, नोएडा के विश्वविद्यालयों ने लिया एक्शन

हालिया तनाव में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का किया था समर्थन

2.84 बिलियन डॉलर का व्यापार होगा प्रभावित

देशभर में तुर्की के सामानों, पर्यटन, और शैक्षणिक सहयोग के खिलाफ बायकॉट की लहर देखी जा रही है। शारदा यूनिवर्सिटी का यह कदम इस अभियान का हिस्सा है, जिसे व्यापारिक संगठनों, पर्यटन निकायों, और सामाजिक मंचों का समर्थन प्राप्त है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी व्यापारिक संबंधों को समाप्त करने का आह्वान किया है और 125 से अधिक व्यापारिक नेता इस बायकॉट में शामिल हो चुके हैं। यह कदम न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में, बल्कि भारत-तुर्की संबंधों पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बायकॉट अभियान तुर्की के साथ भारत के 2.84 बिलियन डॉलर के व्यापार को प्रभावित करेगा।

शारदा यूनिवर्सिटी ने यह कहा

शारदा यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। हर साल तुर्की से कई छात्र शारदा यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के लिए आते थे और इन एमओयू के तहत छात्र-शिक्षक विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान, और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाता था। हालांकि, तुर्की द्वारा पाकिस्तान के समर्थन और ऑपरेशन सिंदूर की निंदा के बाद भारत में तुर्की के खिलाफ लगातार बायकॉट किया जा रहा है।

बॉयकॉट करने के लिए उठाए बड़े कदम

पाकिस्तान को सपोर्ट करने के कारण तुर्की का भारत में बॉयकॉट हो रहा है। न केवल ट्रैवल कैंसिलेशन बढ़े हैं, बल्कि सेब और मार्बल सहित तुर्की से इंपोर्ट किए जाने वाले हर सामान का बॉयकॉट किया जा रहा है। भारत के ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म जैसे कि ईजमाईट्रिप और इक्सिगो ने सुरक्षा जोखिम और राजनीतिक तनाव का हवाला देते हुए तुर्की और अजरबैजान की यात्रा न करने की एडवाइजरी जारी की है।

भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए तुर्की के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ अपने समझौते को निलंबित कर दिया। एएमयू ने भी शैक्षिक संबंध खत्म किए।

पुणे के व्यापारियों ने तुर्की से सेब खरीदना बंद करने का फैसला किया है। इसके बजाय वे हिमाचल, उत्तराखंड, ईरान और अन्य क्षेत्रों से सेब खरीद रहे हैं। उदयपुर मार्बल प्रोसेसर्स एसोसिएशन ने मार्बल का आयात रोकने का सरकार से आग्रह किया है। कानपुर के व्यापारियों ने 80% ऑर्डर कैंसिल कर दिया है। जयपुर के कारोबारियों ने करोड़ों के ऑर्डर रोक दिया है।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज के लिए तुर्किए की फर्म सेलेबी के साथ अपनी पार्टनरशिप खत्म कर दी है।

भारत में तुर्की का बॉयकॉट लगातार बढ़ता जा रहा है। ट्रैवल एजेंसियों और व्यापारी संगठनों के बाद देश के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मिंत्रा और रिलायंस की स्वामित्व वाली एजिओ ने भी तुर्की का प्रोडक्ट बेचना बंद कर दिया है। इन प्लेटफॉर्म्स पर ये ब्रांड अब आउट ऑफ स्टॉक हो गए हैं।

सम्पादकीय

भारत की दो टूक

सिंधु जल संधि पर भारत का कड़ा रुख पाकिस्तान को आतंकवाद पर लगाम लगाने का स्पष्ट संदेश है। भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है, जिससे पाकिस्तान का यह भ्रम टूट गया कि उकसावे के बावजूद पानी मिलता रहेगा। अब संधि की समीक्षा की जरूरत है, क्योंकि परिस्थितियां बदल चुकी हैं और भारत की अपनी जरूरतें हैं। सिंधु जल संधि पर भारत का सख्त रवैया पाकिस्तान के लिए साफ संदेश है कि अब सीमा पार आतंकवाद पर गोलमोल बातें नहीं चलेंगी। इस्लामाबाद को अगर पानी चाहिए तो उसे आतंकियों को समर्थन देने की अपनी नीति छोड़नी होगी।

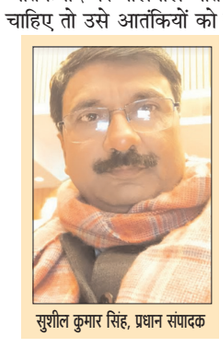

सुशील कुमार सिंह, प्रधान संपादक

पानी और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत ने पहली बार सिंधु जल समझौता स्थगित किया है। यहां तक कि 1965, 1971 और करगिल युद्ध के दौरान भी समझौता जारी रहा। इसी वजह से पाकिस्तान को भ्रम हो गया था कि उसकी तरफ से उकसावे की चाहे जितनी भी कार्रवाई हों, पानी तो मिलता ही रहेगा। लेकिन, पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने नई दिल्ली के सब्र का बांध तोड़ दिया। बॉर्डर पर समझौते के बाद पाकिस्तान चाहता है कि सिंधु जल संधि भी बहाल हो जाए, लेकिन विदेश मंत्री जयशंकर ने बिल्कुल सही कहा है कि पहले सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना होगा। वैसे भी बात इस संधि को निलंबित रखने या बहाल करने भर की नहीं है, वक्त है इसे पूरी तरह रिव्यू करने का। दोनों देशों के बीच 1960 में यह समझौता हुआ था। भारत ने मानवता दिखाते हुए पाकिस्तान के पक्ष में ज्यादा पानी की बात मान ली थी। इस संधि की वजह से सिंधु का 70% पानी पाकिस्तान को मिलता है और उसकी 80% खेती व करीब एक तिहाई हाइड्रो पावर प्रॉजेक्ट इसी पर निर्भर हैं। 1960 से लेकर अब तक हालात काफी बदल चुके हैं। जब समझौता हुआ, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि नई सदी में दुनिया के सामने क्लाइमेट चेंज की चुनौती होगी। इसके अलावा, भारत की इकॉनमी तेजी से बढ़ रही है। उसकी पानी और एनर्जी की अपनी जरूरतें हैं। पुराने समझौतों के आधार पर सिंधु जल संधि जारी रखना न तो संभव होगा और न सही। ट्रीटी में कोई भी बदलाव आपसी रजामंदी से ही किया जा सकता है। इसी वजह से भारत ने पहले भी प्रस्ताव रखा था कि संधि पर नए सिरे से बात की जाए, पर पाकिस्तान ने इसे स्वीकार नहीं किया। उल्टे वह जम्मू-कश्मीर की किशनगंगा और रतले जल विद्युत परियोजनाओं पर एतराज करता आया है। वह इस मामले को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में ले जा चुका है। पाकिस्तान की मांग एकतरफा है। वह चाहता है कि सिंधु में पानी बहता रहे, लेकिन न तो जल के उचित बंटवारे पर बात हो और न आतंकवाद पर उसे कोई एक्शन लेना पड़े। उसने शिमला एग्रीमेंट समेत दूसरे द्विपक्षीय समझौतों को न मानने की भी धमकी दी है। उसके इस अड़ियल रवैये से तनाव बढ़ेगा ही और नुकसान भी उसे ही ज्यादा होगा।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिया किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

ललित गर्ग

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दशार्ता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है। भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

डॉ. आशीष वशिष्ठ

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है। इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ।

इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति–नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है। भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के

बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दशार्ता है। 2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।" प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, "सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।" अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, "सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।"

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तजा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, "सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।" पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है। सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ 'बदलावों' के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की 'समीक्षा' करने की भी बात की थी। इसमें 'सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों' का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि 'सीमा पार से आतंकवाद' इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। 15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं। सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा।

भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगी.. तो टेरेरिज्म पर होगी... पाकिस्तान से बात होगी..तो पीओके पर होगी। अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिये शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।

एकता में बल होता हैं

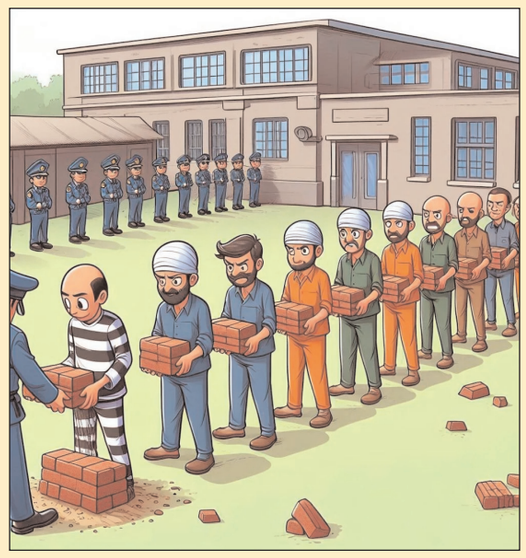

एक समय की बात हैं, रहीम नाम का एक कैदी किसी कारणवश जेल में बंद था। जोकि, बहुत बुद्धिमान और ज्ञानवान था। जिसके कारण रहीम की बातें उस जेल के अधिकतर कैदी मानते थे। एक बार उस जेल के जेलर ने कहा हम आप सभी लोगों के बीच एक प्रतियोगिता आयोजित करेंगे। इस प्रतियोगिता में जो भी टीम विजयी होगी। हम उस टीम को एक दिन के लिए पिकनिक पर ले जाएंगे। इसके अलावा हम उस टीम के लोगों को पुरस्कृत भी करेंगे। सभी कैदियों के अंदर उस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बहुत अधिक उत्सुकता थी। अगले दिन सुबह जेलर सभी कैदियों को एक खुले मैदान में ले गए। उन कैदियों को दो ग्रुप में बाँट दिया और मैदान में रखे ईंट के चट्टानों को दिखाते हुए कहा, इस ईंट को इस स्थान से दूसरे स्थान पर जो भी टीम जल्दी पहुंचाएगी उसे हम विजयी घोषित करेंगे। दोनों टीमें अपनी-अपनी चट्टान से एक-एक ईंट ले जाने लगी। ब टीम ने बताए गए स्थान पर ईंट को सबसे पहले पहुंचा दिया। दोनों टीमों को जेलर ने फिर से आदेश दिया कि अब इन सभी ईंटों को उसी पहले स्थान पर दुबारा से रखना हैं। कैदी बहुत थक चुके थे, वें चिंतित होकर एक दूसरे से बात करने लगे। क्योंकि, पहली बार में ही ईंट इतनी ज्यादा थी कि उसको एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना बहुत मुश्किल भरा काम था। लेकिन, दोनों टीमों ने एक बार फिर से जोश भरा और ईंटों को दूसरे छोर पर रख दिया और हताश होकर बैठ गए। लेकिन, जेलर ने फिर से कहा अब इस ईंट को उसी पुराने स्थान पर फिर से रख दो, टीम ब ने तो तुरंत रखने से माना कर दिया। जबकि, अ टीम के रहीम नाम के व्यक्ति ने अपना दिमाग चलाया और सोचने लगा। हम कुछ तो गलती कर रहे हैं, जिसकी परीक्षा जेलर हमसे ले रहा हैं। रहीम ने अपना दिमाग लगाया और एक स्थान से दूसरे स्थान तक अपने ग्रुप के लोगों को लाइन से खड़ा कर दिया। एक-एक करके एक दूसरे को ईंट पकड़ाते गए इस तरह से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ईंट आसानी से पहुंच गई और कैदियों को थकावट भी नहीं आई। इस बार जैसे ही जेलर ने ईंट को फिर से उसी स्थान पर रखने के लिए बोला। फिर से टीम ने ठीक वैसे ही किया, यह सब देख जेलर ने टीम अ को विजयी घोषित किया और अपने किए हुए वादे को भी पूरा किया।

नैतिक सीखः हम अगर एक होकर किसी भी काम को करेंगे तो उसका परिणाम बहुत जल्दी और अच्छा होगा।

ऐसी हो शहर की सरकार

संतोष उत्सुक

व्यवस्था इतनी अनुशासित हो कि विकास के ठेके अपने खास लोगों को ज्यादा मिलें। जो नए पार्टी पार्षद ठेकेदार बनना चाहें देर न करें। सरकारी विभागों में तालमेल हमेशा की तरह कम रहे। उनके बीच समन्वय स्थापित करवाने की कोशिश करना गुस्ताखी जैसा रहे।

वोटर मंथन से चुनाव जीतकर, समाजसेवी बंदे जब शहर की नई सरकार बनाने के लिए बैठक करते हैं तो उनके दिमाग में तरह तरह के इरादे आते और जाते हैं। आम जनता से किए वादों को भूलते ही नई योजनाएं आपसी कुश्ती करने लगती हैं। सबसे

व्यंग

पहली योजना जो उनके मेहनती दिमाग में कुलबुलाती है, हर काम हो, चाहे भ्रष्टाचार मुक्त न हो। कार्य योजना बने लेकिन कार्यन्वित हो न हो। ज्यादातर कामों में पारदर्शिता लाने का जोखिम न लिया जाए। बजट का दुरूपयोग लोकतान्त्रिक परम्पराओं के अनुसार ही किया जाए। व्यवस्था इतनी अनुशासित हो कि विकास के ठेके अपने खास लोगों को ज्यादा मिलें। जो नए पार्टी पार्षद ठेकेदार बनना चाहें देर न करें। सरकारी विभागों में तालमेल हमेशा की तरह कम रहे। उनके बीच समन्वय स्थापित करवाने की कोशिश करना गुस्ताखी जैसा रहे। तालमेल हो गया तो काम शीघ्र होने लगेंगे, नेतागिरी परेशान हो जाएगी फिर तिकड़मी राजनीति का क्या होगा। ऐसा होना मुश्किल है कि अफसरों और नेताओं की जगह आम जनता की बात सुनी जाए। अगर ऐसा प्रस्ताव पास किया गया कि अफसर महीने में एक बार क्षेत्र का गंभीर दौरा करें, अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई करें तो उनका शरीर भी जोखिम में पड़ सकता है। शहर की सरकार ऐसा कैसे कर सकती है, नहीं कर सकती, बड़ा मुश्किल काम है जी ।

शहर की सड़कें सफाई के बिना खुश रहें, उनके गड्ढे यानी स्पीड ब्रेकर सलामत रहें। कुव्यवस्था का दोष बढ़ती गाड़ियों और बदलते वक़्त को दिया जाए। चालान करने वाला अधिकारी कभी कभार ही आए और सिर्फ खानापूर्ति करे। पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाना, पौधों की देखभाल करना, पानी देना वगैरा बहुत समय लेने वाला काम है। इसकी जगह शहर की सुन्दरता स्थायी रूप से बढाने के लिए, प्लास्टिक के वृक्ष, पौधे और फूल प्रयोग करने का प्रस्ताव पास हो। भविष्य की सोच वाले विचारों को मौका न मिले। कल का क्या भरोसा, दुनिया में खतरा बढ़ता जा रहा

है। बड़ी ताकतें एक दूसरे को धमका रही हैं। जाने माने प्रवचक, विचारक और लाइफ कोच, आज में जीने की वकालत करते हैं। शहर की प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और कूड़ा समितियां बनाकर अभियान चलाते रहना चाहिए ताकि समय बीतता रहे। शहर की सरकार यह अच्छी तरह समझे कि वास्तविक स्थिति बदलने से आसान है बातें करना, अभियान चलाते रहना, प्रस्ताव पास कर प्रेस नोट छपवाते रहना। एंटी सोशल मिडिया पर सोशल बने रहना।

बढ़ता ट्रैफिक, गलत पार्किंग, पार्किंग की कमी, फुटपाथ पर कब्जा, सार्वजनिक परिवहन की अनुपलब्धता बारे समाज के बुद्धिजीवी लोगों से बात न की जाए क्यूंकि उनके पास सिर्फ सलाह होती है। जो काम होते हैं वे अबुद्धिजीवियों के कारण होते हैं। नशे का धंधा और प्रयोग कम नहीं होता क्यूंकि उसमें कई ताकतें मिलकर काम करती हैं। शहर की सरकार वहां अपनी टांग नहीं अड़ा सकती। नौजवानों को खेलने को कहा जाता है, खेलने कूदने से भूख लगेगी तो बेरोजगार खाएंगे क्या। पढाई का स्तर उठता नहीं, सरकार को ज्यादा पढ़े लिखों की जरूरत होती नहीं। विज्ञापन खूब चलते हैं जिनमें नारे, जुमले, सुंदर चेहरे सिर्फ लुभाते हैं। बेहतर दुनिया के ख़्वाब आते हैं।

शहर की सरकार ऐसी होनी चाहिए, जिसके पार्षद, अधिकारी और कर्मचारियों को यहां वहां फेंके कूड़े को उठवाने, नालियों की बदबू सूंघने, जहां तहां टूटी गलियां और सडकों पर गिरने, शहर के अंधेरे कोनों में ठोकरें खाने जाने की फुर्सत न हो। सरकार का हिस्सा होना आसान नहीं है। एक एक सीट की जीत का जुगाड़ लगाने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है। मोहल्लों और वार्डों के खास लोग ही चुनकर शहर की सरकार बनाते हैं। जीतकर काबिल हुए नेताओं को पता होता है कि जन सुविधाएं बढ़ाना, एक जैसी सुविधाएं देना आसान नहीं है। इस सन्दर्भ में, नए फैशनेबल कपडे पहनकर, संकल्प लेना और दिलाना आसान है। उन्हें समझ होती है कि आम लोग तो पैदा ही गलत नक्षत्रों में होते हैं, उनका ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत नहीं है। प्रभावशाली लोग ही फायदा उठाने के लिए अधिकृत होते हैं, उन्हें तंग करने की जुर्रत नहीं होनी चाहिए। अभिनव प्रयोग करने वाले व्यक्ति चुने गए तो स्वस्थ कार्यसंस्कृति को ठेस पहुंच सकती है इसलिए शहर की सरकार का निर्माण करते हुए जातपात, पहुंच और धन का ध्यान रखा जाता है ताकि जानदार आरामदार, शानदार, ईनामदार और महान सरकार बने।

ममेरी बहन की हत्या करने वाले को पैर में लगी गोली

पुलिस और एसओजी ने मुठभेड़ में दवोचा हत्यारोपी, दो अन्य भी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। बेवर थाना क्षेत्र में कांसेपुर रजबहा के पास गुरुवार की दोपहर पेड़ पर दुपट्टे के फंदे से लटकी मिली किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया। किशोरी के सगे ममेरे भाई को मुठभेड़ में और दो अन्य आरोपियों को इस जघन्य अपराध में जेल भेज दिया है। खुलासा किया है कि किशोरी से उसके ममेरे भाई ने अपने जीजा संग सामूहिक दुष्कर्म किया था। विरोध में हत्या की थी। इसके बाद पिता को बुलाया। उसने बेटे और दामाद को बचाने के लिए भांजी का शव पेड़ पर लटकाते हुए आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की।

एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बेवर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली अनुसूचित जाति की 16 वर्षीय किशोरी 11वीं कक्षा की छात्रा बृहस्पतिवार सुबह सात बजे अपने घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी। मगर, वह स्कूल नहीं पहुंची। इसके बाद दोपहर एक बजे के बाद तक घर भी नहीं लौटी।

किशोरी कांसेपुर बंबा के पास पेड़ पर लटकी मिली थी। पुलिस ने उसी दिन शाम को शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। शुक्रवार को डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। इसमें सनसनीखेज खुलासा हुआ कि किशोरी की रस्सी नुमा किसी वस्तु से गला घोंटकर हत्या की गई है। हत्या से पूर्व उसके साथ दुष्कर्म भी हुआ है।

जनपद में हुई इस शर्मनाक वारदात का पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने एसपी सिटी आईपीएस अरुण कुमार सिंह को खुलासे व आरोपियों की गिरफ्तारी का जिम्मा सौंपा। एसपी सिटी ने सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा और इंस्पेक्टर बेवर अनिल कुमार सिंह के साथ जांच की। मृतका के पिता से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें नवाबगंज, जिला फरुर्खाबाद निवासी साले जितेंद्र का गुरुवार दोपहर 1.36 बजे फोन आया था। बताया था कि बेटी कांसेपुर बंबा के पास है। वह मौके पर पहुंचे तो वहां जितेंद्र मिला, वह काफी देर इधर-उधर घुमाता और गुमराह करता रहा। जितेन्द्र काफी देर के बाद गूलर के पेड़ के पास ले गया, वहां बेटी पेड़ पर मृत लटकी मिली। पुलिस का माथा ठनका। वारदात की कड़ियों को जोड़ते हुए अन्य संबंधितों से पूछताछ की। फोन कॉल के रिकॉर्ड निकाले। इसमें पता लगा कि किशोरी से जितेंद्र के बेटे करन की निकटता थी। मंगलवार को दोनों में फोन पर बात भी होने के साक्ष्य मिलने से इसकी पुष्टि हुई। गहन जांच में सामने आया कि किशोरी को नवाबगंज, फरुर्खाबाद निवासी मामा जितेंद्र का बेटा करन और उसका जीजा मोंटी उर्फ राघवेंद्र निवासी प्रेमपुर, बेवर, मैनपुरी स्कूल के रास्ते से बहाने से बुलाकर ले गए थे। कांसेपुर बंबा के पास खेत में ले जाकर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद गला दबाकर मार दिया।

जितेंद्र ने दामाद और बेटे को बचाने के लिए रची साजिश

इंस्पेक्टर बेवर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि जितेंद्र ने इस वारदात में अपने बेटे करन और दामाद मोंटी को बचाने की पूरी साजिश की। दरअसल, इन दोनों ने जब घिनौना काम करने के बाद किशोरी की हत्या कर दी थी तो करन ने अपने पिता को ही सबसे पहला फोन कर वारदात के बारे में बताया। जितेंद्र मौके पर आया और शव को पेड़ पर लटकाकर आत्महत्या दशार्ने की योजना बना दी। इसके तहत जितेंद्र खुद पेड़ पर चढ़ा। किशोरी के शव को उसके बेटे करन और दामाद ने गले में दुपट्टे का फंदा लगाकर ऊपर उठाया। दुपट्टे के एक सिरे को जितेंद्र ने पेड़ की टहानी से बांध दिया। इसके बाद जितेंद्र ने अपने बेटे करन व दामाद मोंटी उर्फ राघवेन्द्र को मौके से भगा दिया।

शिकायत की बात से डरकर कर दी हत्या

सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मोंटी और करन से पूछताछ की तो सामने आया कि इन दोनों ने जब किशोरी के साथ गलत काम कर दिया था तो किशोरी ने अपने परिजन से शिकायत करने की बात कही थी। शिकायत की बात से घबराकर इन्होंने उसकी हत्या कर दी।

भागने की फिराक में था करन

सनसनी खेज वारदात का मुख्य आरोपी करन भागने की फिराक में था। पुलिस को शुक्रवार रात करीब 2.30 बजे उसके बारे में सूचना मिली की वह टोडपुर बंबा पटरी से होते हुए बाइक से कहीं जा रहा है। पुलिस ने बंबा पटरी पर ही उसका घेराव कर लिया। पुलिस की घेराबंदी को देख उसने फायरिंग कर दी। हड़बड़ाहट में वह बाइक से गिर गया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की तो उसके दाहिने पैर में गोली जा लगी। घायल हालत में उसे देर रात ही जिला अस्पताल भेजा गया। मौके से बाइक, तमंचा और कारतूस पुलिस ने बरामद किए। इसके बाद शनिवार सुबह पुलिस ने करन के पिता जितेंद्र और जीजा मोंटी उर्फ राघवेंद्र को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों को कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उनकी रिमांड मंजूरी होने पर जेल भेज दिया गया।

नादान उम्र में भरोसे की कीमत इज्जत और जान देकर चुकाई

किशोरी महज 16 साल की थी। उसकी नानी की दो साल पहले मौत हो गई थी। तभी किशोरी अपने मामा के घर पर गई थी। वहां उसकी मामा के बेटे करन के साथ निकटता हो गई। नादान उम्र में इस निकटता के मायने और करन की मंशा नहीं समझ सकी। करन की कुछ समय पहले शादी हो गई। इसके बाद भी वह किशोरी की नादानी का फायदा उठाता रहा। किशोरी उस पर भरोसा करती रही। गुरुवार की सुबह भी किशोरी करन और उसके जीजा के साथ भरोसे के कारण ही गई थी। तीनों ने खेत में जाकर कोल्ड ड्रिंक, चाऊमीन की पार्टी भी की थी। इसके बाद करन और मोंटी की नीयत किशोरी पर खराब हो गई और इन्होंने किशोरी की इज्जत को बारी-बारी तार-तार करने के बाद उसकी जिंदगी का ही अंत कर दिया।

सगे ममेरे भाई ने जीजा संग दुष्कर्म कर-के उतारा था किशोरी को मौत के घाट

फांसी पर किशोरी का शव लटका मिलने से फैली सनसनी

शुक्रवार की रात से थी लापता, हत्या या आत्महत्या की जांच में जुटी पुलिस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। करहल थाना क्षेत्र के गांव अगरापुर में शनिवार की सुबह एक किशोरी का शव शीशम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। किशोरी शुक्रवार रात 9 बजे से लापता थी। उसकी हत्या की गई है या फिर यह आत्महत्या, इसकी जांच के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, परिजन इस घटना को लेकर कुछ भी नहीं बता पा रहा है। पुलिस अपने स्तर से सभी बिंदुओं पर जांच में जुटी है।

करहल थाना क्षेत्र के गांव आगरापुर निवासी 15 वर्षीय रीता पुत्री कृष्णमुरारी कक्षा 8 की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार वह शुक्रवार रात 9 बजे घर से लापता हो गई थी। शनिवार सुबह करीब 7 बजे ग्रामीणों ने अगरापुर से गोकुलपुर जाने वाले मार्ग पर एक खेत में उसका शव राहगीरों ने देखा। गांव वाले मौके पर पहुंचे। पहचान के बाद रीता के परिजन को बुलाया गया। सूचना पर करहल थाना प्रभारी निरीक्षक महाराज सिंह भाटी, सीओ अजय सिंह चौहान भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ के अनुसार मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है।

सगा भाई भी सड़क हादसे में घायल

अपनी बहन रीता का शव पेड़ पर लटका देखकर मोटरसाइकिल से पुलिस को सूचना देने के लिये थाने जा रहे भाई दीवान सिंह को गांव अंडनी के पास लोडर वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसे उपचार के लिये सैफई अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है।

अगर आठ दिन में लेखपाल पर कार्रवाई नहीं हुई तो धरना

पीड़ित महिला के साथ खड़ा हुआ ऑल इंडिया किसान यूनियन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। लेखपाल द्वारा तहसील में विचाराधीन बाद में कुरा दाखिल करने के नाम पर 80 हजार रुपए की घूस लेने के मामले में जानकारी करने के लिए गई महिला के साथ लेखपाल ने मारपीट कर दी थी, इस घटना को तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक महिला की मारपीट करने वाले लेखपाल पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

लेखपाल पर किसी प्रकार की कार्रवाई के लिए तहसील के अधिकारी बच रहे है। शनिवार को पीड़ित महिला के पक्ष में ऑल इंडिया किसान यूनियन भी उतर आया है। किसान यूनियन ने एसडीएम कुरावली को ज्ञापन देकर चेतावनी दी है कि अगर आठ दिन में दोषी लेखपाल के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो ऑल इंडिया किसान यूनियन अनिशिचित कालीन धरना करेगी। ज्ञात हो कि कुरावली थाना क्षेत्र के गांव बरौलिया निवासी राजकुमारी पत्नी मिलकांत यादव का आरोप है कि बीते मंगलवार की दोपहर करीब 11.30 बजे वह तहसील कुरावली गई थी, उनकी जमीन के बंटवारे का एक वाद गांव गंगाजमुनी की आराजी का एसडीएम न्यायालय में चल रहा है। जिसमें लेखपाल अभिषेक यादव को कुरा दाखिल करने थें, कुरा दाखिल करने के नाम पर लेखपाल ने महिला से 80 हजार रुपए घूस के 28 जनवरी को ले लिए, जब कुरा महिला के अनुसार नही बने तो उसने लेखपाल से 80 हजार रुपए वापस मांगे जिसपर लेखपाल आग बबूला हो गया, उसने तहसील परिसर में ही महिला की जमकर मारपीट कर दी इतना ही नहीं महिला का मोबाइल भी दीवार में मारकर तोड़ दिया।

इस मामले में लेखपाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने के लिए महिला ने थाने में तहरीर दी है। लेकिन इंस्पेक्टर का कहना है कि मुकदमा एसडीएम के आदेश पर लिखा जाएगा। तीन दिन बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं हो सका है।

अनिश्चित कालीन धरना की किसान यूनियन ने दी चेतावनी

शनिवार को ऑल इंडिया किसान यूनियन के दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता पीड़ित महिला राजकुमारी के साथ कुरावली तहसील पहुंचे और एसडीएम को ज्ञापन दिया। एसडीएम को दिए ज्ञापन में किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि अगर 28 मई तक लेखपाल पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो किसान यूनियन अनिशिचित कालीन धरना करेगी। इसके बाद से तहसील में खलबली मची हुई है।

क्या बोले एसडीएम कुरावली

ऑल इंडिया किसान यूनियन की तरफ से ज्ञापन दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए तहसीलदार कुरावली को नामित करके जांच कराई जा रही है। दोनो पक्षो को नोटिस भी दिए जा चुके है। इस मामले की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

– नितिन कुमार,
एसडीएम कुरावली।

वर्तमान सरकार में जानबूझकर हो रहा ब्राह्मणों का उत्पीड़नः पांडेय

प्रभाष मिश्रा पर लिखा झूठा मुकदमा खत्म ना हुआ तो होगा आन्दोलन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। नगर में सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक प्रभाष मिश्रा के आवास पर हुयी। जिसमें ब्राह्मणों के खिलाफ सरकार में हो रहे उत्पीड़न के सम्बंध में चर्चा हुई। समाज के लोगों ने कहा कि वर्तमान सरकार में जानबूझकर ब्राह्मण का उत्पीड़न हो रहा है जिसे समाज कभी बर्दास्त नही करेगा। ब्राह्मणों मे सत्ता मे बैठे लोगो के खिलाफ आक्रोश है

सर्व ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश पांडेय ने कहा कि वर्तमान सरकार ब्राह्मण समाज का उत्पीड़न कर रही है, हमारे समाज के नेता प्रभाष मिश्रा जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं उन्होंने कहा कि प्रभाष पर कुछ राजनीतिक लोगों के इशारे पर किशनी पुलिस ने फर्जी एससी/एसटी एक्ट का मुकदमा लिखा दिया गया। जबकि उक्त प्रकरण मे उनका पुत्र सिर्फ अधिवक्ता है दूसरे पक्ष का। ना उनकी जमीन है ना बैनामा है उनके नाम जिस दिन और समय की घटना एफआईआर मे है उस समय वह घर पर थे जिसके सीसीटीवी फुटेज है केवल सत्ता के नशे मे झूठा मूकदमा लिखाया गया।

दो दिन पहले प्रभाष मिश्रा के ऊपर लिखा गया एससी/एसटी एक्ट का मुकदमा

जनपद सहित प्रदेश में ब्राह्मणों का उत्पीड़न

रमेश पांडेय ने कहा कि इसी प्रकार जनपद सहित प्रदेश में ब्राह्मणों का इस सरकार में उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज का एक प्रतिनिधि मंडल सीओ भोगांव से मिलकर झूठे मुकदमे को समाप्त करने की मांग करेगा।,अगर एक सप्ताह मे समाधान ना हुआ तो ब्राह्मण समाज पुलिस के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर शासन प्रशासन का विरोध करेंगे।

बैठक में यह रहे मौजूद

बैठक में प्रमोद तिवारी, ब्रजेश चौबे, डा सुनील अग्निहोत्री, प्रभु पांडेय, गिरजाशंकर मिश्रा, विमल पांडेय, सौरभ अग्निहोत्री, आलोक अग्निहोत्री, सचिन तिवारी, आलोक पांडेय, संजीव तिवारी, अनूप पांडेय, पराग पाण्डेय, पकज तिवारी, नवीन मिश्रा, राघवेंद्र पाण्डेय, नवनीत पाण्डेय, सजीव मिश्रा, विनयराज मिश्रा, नीरज मिश्रा, बृजेश मिश्रा, विकास मिश्रा आदि ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे।

दो भाईयों की एक साथ चिताएं जली तब हर आंख हुई नम

एक भाई की बीमारी से मौत, दूसरे की सदमा लगे से हुई मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। दन्नाहार थाना क्षेत्र के गांव नगला अखई में दो सगे भाइयों की एक ही रात में मौत हो गई। पहले बड़े भाई की बीमारी के चलते मौत हो गई। छोटे भाई को बड़े भाई की मौत का गहरा सदमा लगा। पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो छोटे भाई ने भी प्राण त्याग दिए। दोनों भाइयों की एक साथ चिताएं जलीं। परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

दन्नाहार थाना क्षेत्र के गांव नगला अखई निवासी 63 वर्षीय उमेश सिंह चौहान दन्नाहार स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त थे। 13 मई को उमेश की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें आगरा ले गए थे। वहां से फिरोजाबाद में भर्ती कराया था। 15 मई की रात उन्होंने अंतिम सांस ली। तीसरे नंबर के भाई गणेश का उमेश के प्रति गहरा स्नेह था। परिजन ने इस खबर को उनसे छिपाने की कोशिश की। 15 मई की रात करीब 1.30 बजे उमेश का शव घर पहुंचा, तो चीत्कार और विलाप से माहौल गमगीन हो गया। रात 2.30 बजे परिजन के रोने की आवाज सुनकर गणेश की नींद खुली। उन्हें पता लगा कि बड़े भाई अब नहीं रहे, तो उनका हृदय टूट गया। भाई की मौत की खबर सुन गणेश सिंह चौहान ने भी मौके पर ही प्राण त्याग दिए।

कुछ घंटो के अंतराल में दो भाईयों की मौत

एक ही घर में, कुछ ही घंटों के अंतराल पर दो भाइयों की मौत से पूरे परिवार में मातम पसरा गया। शुक्रवार शाम गांव में ही दोनों भाइयों का एक साथ गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार हुआ। उमेश अपने पीछे तीन बेटे और दो बेटियों को छोड़ गए हैं, जबकि गणेश के बेटा-बेटी अब अकेले रह गए हैं।

हृदय विदारक घटना से परिवार में मातम

परिवार में उमेश और गणेश के अलावा दो अन्य भाई बृजेश सिंह, जो गुजरात में नौकरी करते हैं, और मुनेश सिंह जो मैनपुरी के सीएचसी कुचेला में डॉक्टर हैं। इस हृदयविदारक घटना ने उनके घरों में भी मातम पसर गया। बृजेश भाइयों की एक साथ मौत की खबर सुनकर गुजरात से गांव पहुंचे।

प्रेरणादायक था दोनो भाईयो का आपसी प्रेम

उमेश और गणेश का अटूट बंधन, उनका साथ-साथ रहना, एक-दूसरे के प्रति उनका गहरा प्रेम गांव में भी प्रेरणादायक था। शुक्रवार को जब दोनों भाइयों की एक साथ चिता जली तो उनको याद कर लोग रोने लगे। नगला अखई गांव में हर आंख नम है। गांव वालों का कहना है कि यह सिर्फ दो व्यक्तियों की मौत नहीं, बल्कि एक अटूट बंधन और गहरे प्रेम की करुण कहानी है, जो हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेगी।

एसडीएम के आदेश पर पीड़ित की जमीन से हटवाया अतिक्रमण

अतिक्रमण न हटाने की कहकर दबंग दे रहा था गाली गलौच, धमकी, मुकदमा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। क्षेत्र के गांव विशुनपुर में दबंगो द्वारा एसडीएम के आदेशों की लगातार अवहेलना करने पर अतिक्रमण न हटाने पर तथा पीड़ित को गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने बाले आरोपियों पर पीड़ित किसान की शिकायत पर पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज कर लिया है। मुकद्दमा के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

थाना क्षेत्र के गांव विशुनपुर निवासी चंद्र प्रकाश प्रजापति पुत्र भीकम सिंह ने बीते 16 मई को थाने में मुकद्दमा दर्ज कराते हुये बताया है कि गांव मे ही मेरी पैतृक जमीन है। जिस पर गांव के ही अनिल यादव व प्रभाष यादव पुत्रगण सादौसिंह, पंकज कुमार पुत्र प्रभाष कुमार यादव, लालसिंह पुत्र रामस्वरूप सिंह उक्त गाटा संख्या पर जानवर बांधकर व भूसे की बुर्जी लगाकर अतिक्रमण किये हुये थे जिसकी शिकायत पीड़ित ने बीते 28 अप्रैल को एसडीएम को दी थी। एसडीएम ने 6 मई को राजस्व विभाग की टीम व पुलिस टीम को गठित करके मौके पर भेजकर नापतौल कराकर दबंगों द्वारा किये हुये अतिक्रमण को बुलडोजर द्वारा हटवा दिया था। जिसमे दूसरे पक्ष ने 2 दिन में भूसे की बुर्जी हटा लेने का समय मांगा था। जिसे समय दे दिया गया था। लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाबजूद भी आरोपियों ने भूसे की बुर्जी को नही हटाया गया था। जिसकी शिकायत पीड़ित ने दोबारा एसडीएम को दी जिसके बाद 15 मई को दोबारा राजस्व विभाग की टीम व पुलिस टीम को भेजकर बुर्जी को हटवा दिया गया। जिसके बाद से ही आरोपी अनिल यादव व प्रभाष यादव पुत्रगण सादौसिंह यादव तथा लालसिंह यादव पुत्र रामस्वरूप यादव पीड़ित के साथ गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने लगे। पीड़ित किसान चंद्र प्रकाश ने पुलिस को उक्त आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर मुकद्दमा दर्ज कराया है, पुलिस मुकद्दमा के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पूर्व भाजपा जिला महामंत्री को फोन पर धमकी

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा जांच में जुटी पुलिस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। कई बार भाजपा के जिला महामंत्री रहे और भाजपा नेता रमाशंकर तिवारी को एक नामजद द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने नामजद के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। भाजपा नेता रमाशंकर तिवारी ने थाने में शिकायती पत्र देते हुए बताया कि रामशर उर्फ बन्टू यादव पुत्र लोचन सिह यादव निवासी गोकुलपुर अरसारा आपराधिक किस्म का व्यक्ति है यह शराब पीकर गांव के लोगो के साथ गाली गलोच करता रहता है। गुरुवार को समय शाम 7.54 को अपने मोबाइल नम्बर से कॉल करके कहा कि आप मेरा वारंट बनवा देते हो अच्छी बात नहीं मैने कहाँ मुझसे इस बातो से क्या मतलब आपका वारन्ट किसका है किसका नही मुझे कोई जानकारी नही, इसी बात को लेकर फोन पर उल्टी सीधी गाली गलौच करने लगा साथ मे कहने लगा कि यदि मेरा दिमाग सनक गया तो तिवारी जी आप अपनी जान से हाथ धो बैठोगे मैं किसी बी दिन तुमको मार सकता हूँ। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश प्रारंभ कर दी है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली तिरंगा यात्रा

भारतीय सेना के सम्मान में निकाली जा रही तिरंगा यात्रा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पहलगाम घटना के बाद पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा पूरे प्रदेश में तिरंगा यात्रा निकाल रहीं है। इसी क्रम में मैनपुरी शहर में भी भाजपाई छोटा क्रिश्चियन मैदान में एकत्र हुए।

शहर के छोटा क्रिश्चियन मैदान से शुरू हुई तिरंगा यात्रा क्रिश्चयन तिराहा, तांगा स्टैंड, लेनगंज, घंटाघर होते हुए शहीद पार्क पहुंची, जहां पर शहीदो को नमन किया गया, तिरंगा यात्रा के मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि पहलगाम घटना के बाद भारतीय सेना ने जो पराक्रम दिखाया उसका पूरा भारत देश ऋणी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दृढ़ संकल्प के साथ पाकिस्तान पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। पर्यटन मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प को भारतीय सेना ने पूरा किया, भारतीय सेना ने पाकिस्तान को कुछ ही दिनो में धूल चटा दी, उन्होने भाजपा और सपा के रामगोपाल यादव के बयान पर कहा कि नेता हो या सेना के खिलाफ बयान देश कतई स्वीकार नहीं करेगा, भारतीय सेना के सम्मान में भाजपा पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाल रहीं है। इस तिरंगा यात्रा को भारी जनसमर्थन मिल रहा है।

इससे पहले पर्यटन मंत्री ने छोटा क्रिश्चियन मैदान तिरंगा यात्रा लेकर खड़े भाजपाईयों को रवाना किया। पर्यटन मंत्री भाजपा नेताओं के साथ पूरे मैनपुरी शहर में तिरंगा यात्रा लेकर घूमे। तिरंगा यात्रा नगर पालिका के शहीद पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। जहां पर शहीदो को पुष्प अर्पित किए गए, माल्यार्पण भी किया गया।

सेना के पराक्रम को देश कर रहा सलाम

तिरंगा यात्रा के दौरान भोगांव विधायक रामनरेश अग्निहोत्री ने कहा भारतीय सेना के वीर जवानो ने जिस साहस और समर्पण से दुश्मनों को धूल चटाई है, सेना के उस पराक्रम को पूरा देश सलाम कर रहा है। सेना पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है। राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए भारतीय सेनाएं सदैव संकल्पित है। तिरंगा यात्रा के दौरान जिला प्रभारी अनिल चौधरी ने भी सेना के पराक्रम पर अपने विचार व्यक्त किए।

पाकिस्तान को तुर्की के सैन्य सर्मथन पर की गई निंदा

स्वदेशी जागरण मंच ने निंदा करते हुए तुर्की पर आर्थिक प्रतिबंध, उड़ान प्रतिबंध और पर्यटन बहिष्कार की उठाई मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। तुर्की, जो नाटो का सदस्य और कथित धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है, ने कट्टरपंथी इस्लामवादी शासनों और भारत की संप्रभुता के प्रति शत्रुतापूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ गठजोड़ कर लिया है। हाल के वर्षों में, पाकिस्तान के साथ तुर्की की रणनीतिक रक्षा साझेदारी खतरनाक गति से बढ़ी है, जिसमें तुर्की सरकार पाकिस्तान के सशस्त्र बलों को महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर, तकनीकी प्लेटफॉर्म और प्रशिक्षण की आपूर्ति करती है।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि चीन के बाद पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश तुर्की ने पाकिस्तान की नौसेना के आधुनिकीकरण और उसकी हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में अहम

भूमिका निभाई है। सबसे परेशान करने वाली घटनाओं में से एक है कि तुर्की ने 1.5 बिलियन डॉलर के सौदे के तहत पाकिस्तान को मिलगेम श्रेणी के युद्धपोत दिए हैं, जिससे पाकिस्तान की नौसेना की हमला करने की क्षमता मजबूत हुई है।

तुर्की की कंपनी बायकर ने पाकिस्तान को बायरकटर टीवी टू और अकिनसी सशस्त्र ड्रोन की आपूर्ति की है। इसके अलावा कई आधुनिक हथियर मुहैया कराए है।

भारत से निम्नलिखित कदम उठाने की मांग

स्वदेशी जागरण मंच के सह संयोजक प्रांत संयोजक सुशील चौहान ने कहा कि स्वेदशी जागरण मंच आपसी सम्मान और संप्रभुता पर आधारित शांतिपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, भारत सरकार को निम्नलिखित तत्काल कदम उठाने की सिफारिश करता है।

1- तुर्की पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जायेंरू तुर्की से गैर-आवश्यक आयातों को प्रतिबंधित करें और संगमरमर, रसायन और मशीनरी जैसी प्रमुख तुर्की वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाएँ।

2- नागरिक उड्डयन लिंक निलंबित करेंरू तुर्की के लिए सीधी उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित करें और विमानन कोडशेयर विशेषाधिकारों को रद्द करें जब तक कि तुर्की पाकिस्तान को रक्षा आपूर्ति बंद नहीं कर देता।

3- आउटबाउंड पर्यटन को हतोत्साहित करेंरू भारतीय नागरिकों को तुर्की की यात्रा न करने की सलाह जारी करें; पर्यटन संवर्धन सहयोग वापस लें।

4- राजनयिक संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करें, तुर्की के साथ राजनयिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्तर को कम करें, और सभी द्विपक्षीय समझौतों का पुनर्मूल्यांकन करें।

5- घरेलू विकल्पों को बढ़ावा दें, भारतीय व्यवसायों और उपभोक्ताओं से तुर्की के सामानों के लिए भारतीय विकल्पों को अपनाने का आग्रह करें, और इस्तांबुल, अंताल्या और कप्पाडोसिया के स्थान पर घरेलू गंतव्यों को बढ़ावा दें।

पाकिस्तान की क्षमता बढ़ाने वाले देशों का बहिष्कार करे भारत

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय विचार प्रमुख डॉ. राजीव कुमार ने दोहराया कि भारत के लोगों को उन देशों का बहिष्कार करना चाहिए जो पाकिस्तान को अपनी आक्रामक क्षमताओं को बढ़ाने में सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं। ग्राष्ट्र प्रथमष के सिद्धांत को हमारे व्यापार, निवेश और राजनयिक संबंधों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

ट्रक यूनियन के धरने के चलते आखिर करनी ही पड़ गई परिवहन विभाग के अधिकारियों को कार्यवाही

ट्रक यूनियन पदाधिकारियों ने अधिकारियों की गाड़ी के आगे जमीन पर लेटकर की कार्यवाही की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। लगातार चली आ रही ट्रक यूनियन के द्वारा शिकायतों के क्रम में शुक्रवार को ट्रक यूनियन के दर्जनों पदाधिकारी और सदस्यों ने आरटीओ का घिराव किया और अवैध तरीके से चल रहे ट्रैक्टर ट्रॉलियों के विरुद्ध कार्रवाई न होने के चलते आरटीओ कार्यालय में ही धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन और घेराव करने का मुख्य उद्देश्य लगातार शिकायतें करने के बाद भी परिवहन विभाग के अधिकारियों के द्वारा न की जाने वाली कार्रवाई था।

ट्रक यूनियन के पदाधिकारीयों का आरोप था कि मंडी से लेकर रेलवे मालगोदाम तक से ट्रैक्टर ट्राली के द्वारा अनाज और सीमेंट की बोरियां कम भाड़े पर ले जाई जाती हैं जिससे ट्रक ऑपरेटर का लगातार नुकसान हो रहा है और इसी नुकसान के चलते उनके द्वारा अपने वाहनों के परमिट, किश्तें आदि जमा नहीं हो पा रहे हैं । ट्रक यूनियन के पदाधिकारीयों ने बताया कि कृषि कार्य में दर्शाए जाने वाले ट्रैक्टरों से व्यवसायिक कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे ट्रक ऑपरेटर के साथ-साथ सरकार को भी लाखों रुपए का चूना लगाया जा रहा है। ट्रक यूनियन के पदाधिकारीयों ने बताया चूंकि ट्रक ऑपरेटर को अपने वाहनों के सभी कागज पूरे करने पड़ते हैं जिसमें परमिट, फिटनेस, टैक्स आदि शामिल हैं। जिनमें लाखों रुपए प्रतिवर्ष का खर्चा आता है। वहीं दूसरी ओर इन्हीं ट्रैक्टर ट्राली को टोल फ्री होता है, ना टैक्स

भरने की जरूरत, ना परमिट की जरूरत जिससे कि इनको भाड़े आसानी से मिल जाते हैं। ट्रक यूनियन के पदाधिकारी और सदस्यों के द्वारा शुक्रवार को आरटीओ कार्यालय के गेट के बाहर ही बैठकर विरोध प्रदर्शन किया गया और तत्काल कार्रवाई की मांग की गई ।

आरटीओ प्रवर्तन वंदना सिंह के द्वारा संसाधन ना होने की बात कहने के चलते ट्रक यूनियन के पदाधिकारी भड़क गए और स्वयं की गाड़ियों से कार्रवाई करने का सुझाव दे डाला। पदाधिकारियों ने कहा यदि आपके पास वाहन नहीं है तो हम अपने वाहन अपने खर्चे पर उपलब्ध करा रहे हैं पर कम से कम आप कार्रवाई करें । अंत में जाकर परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा समझाने बुझाने पर ट्रक यूनियन ने नरमी का रूप अपनाते हुए कहा कि धरना तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक परिवहन विभाग के अधिकारी अवैध रूप से चल रहे ट्रैक्टर ट्रॉलियों को लाकर आरटीओ कार्यालय में खड़ा नहीं कर देंगे तब तक धरना खत्म नहीं होगा।

ट्रक यूनियन का धरना सफल भी रहा और एआरटीओ व पीटीओ के द्वारा अनाज की बोरियों से लदे हुए ओवरलोड ट्रैक्टरों को आरटीओ परिसर में लाकर खड़ा किया गया।

छोटी खबरें

ट्रेन की चपेट में आने से युवक का हाथ कटा, रेफर

हाथरस ! हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चलती हुई ट्रेन की चपेट में आने से युवक का हाथ कट गया डॉक्टर ने युवक को गंभीर अवस्था में किया रेफर।

जानकारी के अनुसार बीती रात्रि हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक युवा के चलती हुई संगम एक्सप्रेस पर दौड़कर चल रहा था तभी अचानक ट्रेन की चपेट में आने से युवक का हाथ काटने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया ' घायल युवक को देख दर्जनों यात्रीगण मौके पर एकत्रित हो गए वहीं सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जहां पुलिस द्वारा घायल युवक को उपचार हेतु अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने घायल को गंभीर अवस्था में अलीगढ़ रेफर कर दिया

सांप ने युवक को काटा: बिगड़ी हालत

हाथरस। कस्बा सिकंदराराऊ के मौहल्ला सराय उम्दा बेगम में बीती रात्रि सर्प ने एक युवक को उस लिया । जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी । आनन फानन में परिजन उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज ले गए । जहां उसका उपचार जारी है। बताया जाता है मौहल्ला सराय उम्दा बेगम निवासी बसीर राईन का पुत्र बसीम शुक्रवार की रात्रि को मौहल्ले में स्थित एक मैरिज होम के निकट टहल रहा था, तभी अचानक उसे सांप ने काट लिया । जिससे वह अचेत हो गया । युवक की हालत बिगड़ने लगी । परिजन आनन फानन में उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज ले गए । जहां उसका उपचार चल रहा है।

सरकारी इंटरलॉकिंग ईंटों को उखाड़ कर लेकर अज्ञात लोग

हाथरस। थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव नगला मोती में अज्ञात लोग सार्वजनिक सरकारी सड़क की सरकारी इंटरलॉकिंग ईंटों को उखाड़ कर ले गए और इंटरलॉकिंग ईंटों को उखाड़ कर ले जाने की शिकायत थाना पुलिस से की गई है।। थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव नगला मोती निवासी उमराव सिंह पुत्र पन्नालाल कुशवाहा ने थाना हाथरस जंक्शन पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनके खेत के पास से सार्वजनिक रास्ता है और उस पर इंटरलॉकिंग हो रही है तथा अज्ञात लोग गत 14-15 मई की रात्रि को इंटरलॉकिंग ईंटों को उखाड़ कर ले गए। शिकायतकर्ता ने थाना पुलिस से उक्त मामले में कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

आज सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी बिजली बंद

हाथरस। रविवार को बीसीबी कन्ट्रोल पैनल बदलने और स्थापित करने का कार्य करने हेतु विद्युत उपकेन्द्र सासनी प्रथम से निर्गत ग्यारह केवी सभी फीडर बंद रहेगें।।

यह जानकारी देते एसडीओ आशीष रत्न ने बताया कि 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र सासनी प्रथम 18 मई रविवार को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक बीसीबी कन्ट्रोल पैनल बदलने और स्थापित करने का कार्य किया जाएगा। जिसमें उपकेन्द्र से निर्गत 11 केवी सभी फीडर बंद रहेगें। उन्होंने समस्त उपभोक्तओं को सचेत किया है कि इस बीच में विद्युत सम्बन्धी स्वयं कोई कार्य न करें परीक्षण हेतु विद्युत कभी भी आ जा सकती है।

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान यूनियन का धरना प्रदर्शन

हाथरस। बिजली, पानी व किसानों की तमाम समस्याओं को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन (हरपाल गुट) ने कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया। यूनियन के अध्यक्ष हरपाल सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एकत्र हुए।कलेक्ट्रेट पर धरना देते हुए यूनियन के अध्यक्ष हरपाल सिंह ने कहा कि सरकार किसानों की कीमती जमीनों का बेहद कम मूल्य पर अधिग्रहण कर रही है।भीषण गर्मी में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है।बिजली आपूर्ति रोस्टर के अनुसार नहीं हो रही है। किसानों को दिन में केवल 3-4 घंटे ही बिजली मिल रही है। इससे किसानों की खेती-बाड़ी प्रभावित हो रही है। किसान नेताओं ने बताया कि आवारा पशु फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शासन-प्रशासन इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे है। किसानों को फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी नहीं मिल रहा है।प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि लगातार आंदोलन के बावजूद सरकार किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। धरने के दौरान किसानों ने जोरदार नारेबाजी की। उन्होंने प्रशासन से किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग की।

जमीनी विवाद में किसान को पड़ा अटैक:मौतः आरोप

हाथरस। सिकन्द्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव जरीनपुर भुर्रका में एक 55 वर्षीय किसान की हदय गति रुकने से मौत हो गई। किसान की मौत से परिजनो में कोहराम मच गया । पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है । बताया जाता है गांव जरीनपुर भुर्रका निवासी 55 वर्षीय किसान ओमवीर सिंह पुत्र बाबू सिंह ने कुछ समय पूर्व जमीन खरीदी थी । उक्त जमीन को लेकर उनका ग्राम प्रधान और कुछ अन्य लोगों से विवाद भी चल रहा था। शुक्रवार को इस मामले में प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची थी। मृतक के पुत्र ने आरोप लगाते हुए बताया कि प्रशासन की टीम के जाने के बाद ग्राम प्रधान और अन्य लोगों ने उनके पिता को धमकी दी थी । जिसके बाद किसान को हार्ट अटैक पड़ गया । आनन फानन में परिजन उन्हे उपचार के लिए आगरा के अस्पताल में ले गए। जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक किसान के पुत्र का आरोप है कि दबंगो की धमकी के कारण उसके पिता की मौत हुई है। पुलिस ने मृतक किसान के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

मोक्ष धाम के जीर्णोद्धार हेतु सामाजिक, धार्मिक संस्थाएं मिलकर करेंगे विकास

हाथरस। मोक्ष धाम के जीर्णोद्धार हेतु बैठक का आयोजन भारत तिब्बत सहयोग मंच के कार्यालय पर आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी नेकी की दुकान के महेंद्र लांबा ने की। बैठक का संचालन शैलेंद्र शर्मा ने किया।बैठक में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा भरपूर सहयोग तन, मन ,धन से करने का स्वयं एवं जनसमूह समाजसेवी बन्धुओं से भी तन, मन, धन से सहयोग करने का आह्वान किया। बैठक में सर्वसम्मति से विचार किया गया कि मोक्ष धाम पत्थर वाली इगलास अड्डा का जीर्णोद्धार कराकर सौंदर्यीकरण कराया जाए। इसके लिए नगर की सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं को एकत्रित कर मोक्ष धाम विकास समिति का गठन करके कार्य को गतिशीलता दी जाए।। बैठक में पं. हरेंद्र शर्मा, देवकीनंदन वर्मा, आकाश वर्मा, समीर भाई ,सुधीर मित्तल, डा. दिनेश माहेश्वरी, कुलदीप आदि ने अपने विचार व्यक्त कर सुझाव दिया।कमेटी के गठन हेतु 25 मई को दोपहर 12 बजे एक बैठक का आयोजन अपना घर आश्रम में जलेसर रोड पर किया गया है। सभी सामाजिक, धार्मिक बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

पुलिस लिखी गाड़ी पर लगी काली फिल्म सीओ ने उतराई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। शुक्रवार की शाम सीओ भोगांव सत्य प्रकाश शर्मा ने प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी के साथ नगर के बाजार में फ्लैग मार्च कर अतिक्रमण करने वाले और डग्गामार वाहनों को हिदायत देकर कड़े निर्देश दिए, इस मौके पर रोडवेज बस स्टेंड के गेट पर खड़ी पुलिस लिखी कार पर चढ़ी काली फिल्म को उतरवाया और हिदायत दी कि काली फिल्म लगाकर चलने बालो के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्यवाही करे।

सीओ ने पुलिस से जोर देकर कहा कि आए दिन सड़को पर घटनाएं बढ़ रही है इसलिए हर रोज बिना हेलमेट लगाकर चलने बालो के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही करे,उन्होंने आम लोगों से भी ट्रैफिक नियमों के पालन कर अपने एवं परिवार को सुरक्षित रखने की अपील भी की। सीओ सत्यप्रकाश शर्मा ने थाना पुलिस के साथ दो पहिया एवं चौपहिया वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों एवं वाहनों के बीमा फिटनेश के संबंध में आवश्यक जानकारियां दी। उन्होंने दो पहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहन कर चलने को

कहा। सीओ ने टेंपो ,ऑटो रिक्शा चालकों को बस स्टेंड के गेट पर आगे से खड़ा करने पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश थाना प्रभारी को दिए और कहा कि निर्धारित सवारियों को वाहन में बैठाए जाने को कहा और उनसे निर्धारित गति सीमा में चलने को कहा।

थाना पुलिस द्वारा हर रोज बाजार में पुलिस बल के साथ गस्त कर व्यापारियों से भी बात की जाए, बाजार में भी अतिक्रमण के खिलाफ जल्द अभियान चलाकर अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही की जाएगी, सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से बाजार में बेवजह घूमने वाले बाइक सवारों को चिह्नित कर कार्यवाही के निर्देश दिए, दुकानों या मकानों के सामने निजी वाहन खड़े करके यातयात में अवरुद्ध पैदा करने बालो के खिलाफ भी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर थाना प्रभारी ललित भाटी, एसआई विनय यादव, आदि सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

आज होगा भगवान गौतम बुद्ध की मूर्ति का अनावरण

मुख्य अतिथि के रुप में सांसद डिंपल और एटा सांसद देवेश शाक्य रहेंगे मौजूद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। क्षेत्र के गांव जुन्हैसा में वहां की तथागत गौतम बुद्ध समिति के तत्वावधान में गांव में ही आगामी 18 मई सुबह 10 बजे तथागत भगवान गौतम बुद्ध की मूर्ति का अनावरण किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में सपा सांसद डिंपल यादव और एटा सांसद देवेश शाक्य भाग लेंगे।

तथागत भगवान गौतम बुद्ध समिति के अध्यक्ष रामकुमार शाक्य ने बताया कि गौतम बुद्ध मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में अति विशिष्ट के रुप में पूर्व मंत्री सपा जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य, पैक्सपेड चेयरमैन इं. प्रेमसिंह शाक्य, सपा के प्रदेश महासचिव महाराज सिंह शाक्य, पूर्व सदर विधायक राजकुमार उर्फ राजू यादव, पूर्व कांगेस जिलाध्यक्ष व जिपं

सदस्य विनीता शाक्य, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र शाक्य भाग लेंगे।

कार्यक्रम संयोजक महेन्द्रपाल सिंह शाक्य व तथागत भगवान गौतम बुद्ध समिति के उपाध्यक्ष डॉ. सर्वेश कुमार शाक्य, महासचिव शिवराम सिंह शाक्य, सचिव सुरेश चंद्र शाक्य, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र शाक्य जनता सहित बुद्ध अनुयाईयों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

विद्युत विभाग ने चलाया चैकिंग अभियान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। विद्युत विभाग अफसरों ने कस्बा के प्रथम उपकेंद्र से ऊजीकृत मौ. आशानगर और नगला ताल में विद्युत चैकिंग और राजस्व वसूली अभियान चलाया। जिसें बकाएदारों से वसूली की और संयोजन काटे।

एसडीओ आशीष रत्न के अनुसार ऊजीकृत चैकिंग अभियान के दौरान लोगों में खलबली मच गई। अफसरों ने चैकिंग में बीस विद्युत बड़े बकायेदारों के संयोजन विच्छेदन किये और तीन लाख की वसूली की गई वहीं पंद्रह लोग विद्युत चोरी करते हुए पकड़े गए। जिनके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इस टीम में आशीष रत्न उपखंड अधिकारी, विवेक भारती, प्रदीप कुमार अवर अभियंता सुमित कुमार सोनी अवर अभियंता प्रवर्तन दल, विनेश कुमार प्रभारी प्रवर्तन दल, मुनेन्द्र सिंह, योगेन्द्र सिहं, विपिन कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, शकील, आशीष, शिवाजी, मुकेश, वासुदेव आदि मौजूद थे।

प्रशासनिक अनदेखी से नाराज किसान जल्द लेंगे बड़ा निर्णय

चकबंदी प्रक्रिया के विरोध में किसानों का 13वें दिन भी जारी रहा क्रमिक अनशन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। हसायन ब्लॉक के गांव महासिंहपुर में चकबंदी प्रकिया के विरोध में किसानों का क्रमिक अनशन आज तेरहवें दिन भी जारी रहा।तेरहवें दिन अनशन पर किसान ललित कुमार बैठे।बीती रात तेज आंधी और बारिश के बीच भी किसान अपने अनशन से नहीं हटे।

अनशन स्थल पर किसानों एवं ग्रामीणों में प्रशासन द्वारा उनकी समस्या को लगातार अनदेखी किए जाने से रोष देखा गया।इसी के साथ सभी किसानों द्वारा मिलकर फैसला लिया गया कि अगर अगले दो चार दिनों में प्रशासन द्वारा उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं

लिया, तो हमें कड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। गौरतलब है कि ग्राम महासिंहपुर में पिछले साल से चकबंदी की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अधिकतर किसान इसके लिए तैयार नहीं हैं। इसके लिए किसान पिछले एक वर्ष से जगह जगह प्रार्थना पत्र दे चुके हैं। आज तक कोई सुनवाई ना होने पर सभी किसानों द्वारा पिछले महीने की 24 तारीख को जिलाधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन दिया था।अपने प्रार्थना पत्र की अनदेखी किए जाने से नाराज किसानों ने 5 मई से अपना क्रमिक अनशन शुरू किया है।

अनशन स्थल पर ललित कुमार, पुष्पेंद्र , गुलशन कुमार,चन्द्रभूषण , श्यामवीर सिंह, रेशम पाल सिंह ,हरेंद्र सिंह, दिनेश कुमार, कृष्ण कुमार, लोकेश कुमार, सत्यवीर सिंह, बलबीर सिंह, राजवीर सिंह, रामपाल सिंह, देवेंद्र कुमार ,चरण सिंह, संदीप कुमार, श्यामवीर सिंह,प्रशांत कुमार, पुष्पेंद्र सिंह,महेश कुमार,मुकेश कुमार,पंकज कुमार आदि मौजूद थे।

स्काउड गाइड के नियमों तथा उसके इतिहास की दी जानकारी

सेन्ट मेरीज स्कूल में लगा तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के आश्रम रोड स्थित सेंट मेरीज स्कूल परिसर में शनिवार को तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का आयोजन किया गया, इसमें अधिक से अधिक बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। शिविर का शुभारम्भ प्रधानाचार्या मनोरमा ने ध्वजारोहण करके किया।

स्काउट गाइड शिविर के शुभारंभ के बाद स्काउट गाइड के प्रशिक्षक रामपाल गिरि, मोहम्मद शमीन, कु बेबी खुशनुमा, कु प्रियंका गिरि, तथा नेहा वर्मा के द्वारा स्काउट प्रार्थना, झण्डागीत आदि कराया। स्काउड गाइड के नियमों तथा उसके इतिहास के विषय में विद्यार्थियों को जानकारी दी तथा बताया कि स्काउट गाइड का उद्देश्य युवाओं के शारीरिक, भावनात्मक और अध्यात्मिक विकास में मदद कर स्थानीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है। विद्यार्थियों को प्रथम सोपान के अन्तर्गत रस्सियों के माध्यम से

विभिन्न प्रकार की गाँठे बाँधना सिखाया, द्वितीय सोपन के अन्तर्गत बच्चों को तम्बू बनाना सिखाया। उन्हें सीटी संकेत तथा कैम्प फायर की तैयारी के विषय में जानकारी दी। कक्षा- दो से पाँच तक के बच्चों को कब और बुलबुल नाटक कराया। कब झण्डा तथा बुलबुल प्रार्थना कराई। बुलबुल घेरा गीता तथा बच्चों को मोर, कोयल, तोता, कबूतर आदि पक्षियों का रूप देकर गीत कराया। शनिवार को प्रार्थना सभा द्वारा शिविर प्रारम्भ हुआ, तत्पश्चात ध्वजारोहण हुआ और तम्बू निर्माण बिना बर्तनों के भोजन बनाया।

स्काउट गाइडिंग शिविर के तृतीय दिवस के समापन समारोह में तम्बू निर्माण एवं पाक कला कार्यक्रम में जूनियर तथा सीनियर वर्ग की छात्राओं तथा छात्रों ने संयुक्त रूप से बारह टोलियां बनाईं तथा परिणाम कुछ इस प्रकार रहा, ट्यूलिप और ईगल टोली प्रथम स्थान पर तथा टोली नं. चार भेड़िया ग्रुप द्वितीय स्थान पर तथा मोगरा ग्रुप टोली नं० छः तृतीय स्थान पर रही।

बच्चों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

प्रधानाचार्या मनोरमा तथा प्रबंधक दीपक दास ने कहा कि सभी टोलियों का प्रदर्शन सराहनीय है और सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाएंगे। सहायक निदेशक कुशाग्र दास ने छात्रों के क्रिया-कलापों को सराहा तथा बताया कि स्टाकउट गाइड शिविर से छात्रों को आत्मबल और अनुशासन की महत्ता विदित होती है। इस मौके पर प्रबंधक दीपक दास, प्रधानाचार्या मनोरमा, एसोशियट डारेयक्टर कुशाग्र दास, उप-प्रधानाचार्या वीना चौहान, जौली जॉर्ज, इन्चार्ज कमलेश गेरा आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार स्कूटी अनियंत्रित होकर ओवरब्रिज से गिरी, युवक की हुई दर्दनाक मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली सदर क्षेत्र के अंतर्गत ओवरब्रिज से स्कूटी सवार युवक गिरा, डॉक्टर ने किया मृत घोषित पारिवारिक जनों में मचा कोहराम '

दुर्घटना उस समय हुई जब अलीगढ़ रोड निवासी गोपाल शर्मा का पुत्र पार्थ शर्मा दोपहर के लगभग 4:00 बजे घंटाघर की तरफ से अपने घर अलीगढ़ रोड की तरफ जा रहा था तभी अचानक रास्ते में तालाब चौराहा स्थित ओवरब्रिज से उसकी तेज रफ्तार स्कूटी अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर पड़ी दुर्घटना के फल स्वरुप युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, दुर्घटना की खबर पर दर्जनों राहगीर व स्थानीय दुकानदार मौके पर एकत्रित हो गए, भीड़ में मौजूद कुछ व्यक्तियों द्वारा घायल युवक को उपचार हेतु जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया ' सूचना पर कोतवाली सदर पुलिस भी बागला अस्पताल पहुंच गई जहां उन्होंने दुर्घटना के बारे में जानकारी ली, पुलिस द्वारा दी गई सूचना पर मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए ' भीड़ में मौजूद व्यक्तियों द्वारा चर्चा थी कि अगर इस युवक ने हेलमेट पहना होता तो शायद इसकी जान बच जाती, फिलहाल पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सेना के अदम्य साहस, शौर्य एवं पराक्रम को किया सलाम: गूंजा भारत माता की जय एवं वंदे मातरम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आम जनता एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश शहर की सड़कों पर दिखाई दिया। हजारों की संख्या में राष्ट्रभक्तों ने अदम्य साहस और शौर्य को समर्पित भारत शौर्य तिरंगा यात्रा बागला इंटर कॉलेज से निकाली गई।यात्रा में हर हाथ में तिरंगा था और मुट्ठीबंद हाथ उठाते और जोशीली आवाज में भारत माता के जयकारे गूंज उठते हुए यात्रा में शामिल हर कोई जोश में दिखाई दे रहा था। भारत शौर्य तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की शुरूआत शहर के स्थानीय बागला इंटर कॉलेज के मैदान में लगाए गए विशाल पंडाल में एकत्रित होकर की गई। भारत शौर्य तिरंगा यात्रा बागला इंटर कॉलेज से शुरू होकर सासनी गेट चौराहा, कमला बाजार , गुडिहाई बाजार, सराफा बाजार, चूना वाला डंडा, आगरा रोड होते हुए शहीद पार्क पर समाप्त की गई। यात्रा के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों पर देशभक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा और लोगों ने भारतीय सेना के सम्मान में देशभक्ति के जोशीले नारे लगाए। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम के गगन भेदी नारे गूंजते रहे तथा हजारों की संख्या में राष्ट्रभक्तों की तिरंगा यात्रा कमला बाजार चौक पहुंची तो लोगों ने फूलों की वर्षा की। इस मौके पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ता, प्रबुद्ध जन, व्यापारी, भूतपूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट, विभिन्न कॉलेज के छात्र, भाजपा के जन-प्रतिनिधि व कार्यकर्ता शामिल हुए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह गुरुजी भी शामिल थे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमएलसी डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह गुरुजी ने कहा कि सेना के वीर जवानों ने साहस, समर्पण और पराक्रम से देश की सुरक्षा की। वह हम सभी के लिए प्रेरणा है। इस यात्रा के माध्यम से उनके शौर्य को नमन करते हुए हमने यह संकल्प लिया है कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए हम सदैव तैयार रहेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने कहा कि भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में सहभागिता कर गर्व की अनुभूति हुई। यह तिरंगा यात्रा आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति और ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता को समर्पित थी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक और दृढ़ नेतृत्व का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने तिरंगा यात्रा को अभिमान और सम्मान का प्रतीक बताया ।

कार्यक्रम को सांसद धर्मपत्नी लक्ष्मी प्रधान वाल्मीकि,सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर, जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय, सिकन्द्राराऊ विधायक वीरेंद्र सिंह राणा सहित जनपद के कई जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में भारत शौर्य यात्रा संयोजक हरीश सेंगर, ब्लॉक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय,पूर्व सांसद राजेश दिवाकर, चेयरमैन सचेंद्र कुशवाहा ,हर्षकांत कुशवाहा, चेयरमैन श्वेता दिवाकर, ब्लॉक प्रमुख पूनम पांडेय, पूर्व सांसद प्रतिनिधि ठाकुर राजेश कुमार सिंह गुड्डू भैया ,धर्मेंद्र प्रताप सिंह, रुपेश उपाध्याय, हरिशंकर राणा, हरीश सेंगर , सुनील गौतम, मथुरा प्रसाद गौतम, चौधरी भोला सिंह रावत,मीरा माहेश्वरी, आचार्य महेंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह मदनावत, प्रभा सिंह, रामवीर सिंह भैयाजी,भूपेंद्र कौशिक ,अखिलेश गुप्ता ,देवेंद्र राघव, रामकुमार माहेश्वरी, कृष्ण मुरारी वार्ष्णेय,योगेंद्र गहलोत, प्रमोद मदनावत, विवेक गुप्ता, अनुज चौधरी, प्रमोद सेंगर ,राजेंद्र चौधरी मोहित बघेल, प्रेम सिंह कुशवाहा,डम्बेश चक,योगेश कुमार, प्रदीप शर्मा, आकाश सिंह,मूलचंद, कुशवाह, सूरज शाह,अंशुल शर्मा, अरुण चौधरी, जितेंद्र राजपूत, सुनील कुमार, गजेंद्र सिंह,भीकम सिंह चौहान, भोला चौधरी, सुनीता वर्मा, अनुराग अग्निहोत्री,रामवीर माहौर,बाला शर्मा, प्रिया मित्तल,बबली सिंह,सुचेता जॉन,बबिता वर्मा, प्रदीप सिंह राजकुमार जैन,डा. राजीव सेंगर, अविनाश तिवारी, अमन उपाध्याय, मनोज सोनी, तपन जोहर, अजय रावत, राज सिसोदिया, नितिन गौतम, नीरेश कुमार सिंह, गौरव प्रधान, नरेश ठाकुर, जितेंद्र चौहान, जितेंद्र अग्निहोत्री, शब्बीर अहमद, समीर घोसी,अनिल जादौन, जितेंद्र कुमार जीतू, अनूप अग्रवाल, विजय वार्ष्णेय, कृष्णा पहलवान आदि हजारों की संख्या में व्यापारी, प्रबुद्ध वर्ग एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी कार्यकर्ता व सदस्य शामिल थे।

विश्व सनातन हिन्दू संघ ने निकाली भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। शनिवार को विश्व सनातन हिन्दू संघ ने बीते दिनों कायर आतंकियों द्वारा पहलगाव में धर्म पूछकर मारे गए भारतीयों को याद कर और उनकी प्रतिक्रिया स्वरूप भारतीय सेना की पाकिस्तान पर की गई शौर्यपूर्वक कार्यवाही के लिए भारतीय सेना के सम्मान में एक विशाल तिरंगा शौर्य यात्रा का आयोजन किया जो बाबा मार्किट रामघाट रोड से शुरू होकर मीनाक्षी पुल से होते हुए दुबे का पड़ाव,कठपुला,स्टेट बैंक होकर अटल चौक सेन्टर पॉइंट पर समाप्त हुई। इस अवसर पर संगठन के जिला अध्यक्ष प्रणय शर्मा ने बताया कि वह आतंकियों द्वारा की गई इस कायराना हरकत की घोर निंदा करते हैं और भारतीय सेना और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जिस तत्परता और मजबूती के साथ आतंकियों को पालने पोसने वाले पाकिस्तान को घर में घुसकर पिता है उसकी भूरी भूरी प्रशंसा करते हैं उन्होंने कहा कि आज वक़्त आ गया है कि सभी सनातनी भाई जाति पाती का भेदभाव खत्म करके एक होकर रहें अपने आस पास भी नजर रखें कि कहीं देश विरोधी लोग आपके आसपास तो नहीं हैं और अगर ऐसा कुछ देखें तो तुरंत प्रशासन को इसकी सूचना देकर एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। कार्यक्रम संयोजक विकास दीक्षित ने कहा कि मोदी की मार को पाकिस्तान कभी भुला नहीं पाएगा अगर वह दोबारा ऐसी कायराना हरकत करेगा तो अबकी बार भारत की सेना ने सिर्फ अपनी ताकत का छोटा सा ही प्रदर्शन किया है अगर वो पूरी ताकत दिखा दें तो पाकिस्तान नक्शे से ही गायब हो जाएगा। विश्व सनातन संघ के मीडिया प्रभारी हिमांशु शर्मा ने कहा कि जेहादी अब सावधान हो जाएं अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा वह घर में घुसकर मारना जानता है इसलिए जो पाकिस्तान परस्त भारत में भी हैं वह भी यह जान लें कि उनकी नापाक मानसिकता कभी पूरी नही होगी भारत विश्वपटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ रहा है मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में आज भारत आगे बढ़ रहा है और उनकी कूटनीति ने पाकिस्तान को सारे विश्व में अलग थलग कर दिया। है। इस अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष प्रणय शर्मा,कार्यक्रम संयोजक विकास दीक्षित, मीडिया प्रभारी हिमांशु शर्मा, जि अद्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ मोहित गोयल उपाध्यक्ष संजय चौधरी, महानगर अध्यक्ष विनायक अग्रवाल, प्रदीप कुमार, मनोज अग्रवाल,उमेश गौड़, विवेक अग्रवाल,गोपाल सिंह,वरुण उपाध्याय,विक्रम प्रताप सिंघरावेंद्र कुमार,गोविंद शर्मा,दीपक शर्मा,चौ यशपाल सिंह,लोकेश वार्ष्णेय,ऋषभ शर्मा,ॐ शर्मा,जिला प्रवक्ता के एम जोहरी आदि सैंकड़ों कार्यकर्ता देश भक्ति के गीतों पर झूमते हुए चलते रहे और भारत माता की जय,देश के वीर जवानों की जय के नारे लगाते रहे ।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एएमयू की पहली महिला कुलपति की नियुक्ति को वैध ठहराया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (अमुवि) की पहली महिला कुलपति प्रोफेसर नइमा खातून की नियुक्ति को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज करते हुए उनके चयन को कानूनी, निष्पक्ष और विधिसम्मत बताया है।

प्रो. नइमा खातून, जो एएमयू के विमेंस कॉलेज की पूर्व प्राचार्या रह चुकी हैं, विश्वविद्यालय के सौ साल से अधिक के इतिहास में पहली महिला कुलपति नियुक्त की गयीं। उच्च न्यायालय ने इस नियुक्ति को संविधान सम्मत तथा महिला सशक्तिकरण और समावेशिता की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्र और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने कहा कि नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया एएमयू अधिनियम, विनियमों और प्रावधानों के अनुरूप हुई। यद्यपि प्रो. खातून के पति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने कार्यवाहक कुलपति के रूप में कुछ बैठकों की अध्यक्षता की थी, परन्तु वे केवल औपचारिक भूमिका में थे और उनके होने से चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। अदालत ने यह भी कहा कि अंतिम निर्णय भारत के राष्ट्रपति (जो विश्वविद्यालय के विजिटर होते हैं) द्वारा लिया गया, और उनके विवेकाधिकार पर कोई पक्षपात का आरोप सिद्ध नहीं होता। न्यायालय ने माना कि प्रो. नइमा खातून की योग्यता और पात्रता निर्विवाद है, और उनके चयन को चुनौती देने का कोई आधार नहीं बनता।

अमुवि कुलपति प्रो. नइमा खातून ने कहा कि मुझे हमेशा भारत की न्यायपालिका की स्वतंत्रता, गरिमा और निष्पक्षता पर पूरा विश्वास रहा है। यह निर्णय केवल मेरे व्यक्तिगत स्तर पर न्याय नहीं है, बल्कि हमारे उच्च शिक्षा संस्थानों की संस्थागत प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि भी है। मैं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की सेवा पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समावेशी शैक्षणिक उत्कृष्टता के संकल्प के साथ करती रहूंगी। मैं आशा करती हूँ कि यह निर्णय हम सभी के लिए एक प्रेरणा बने, और विश्वविद्यालय की ज्ञान, न्याय और प्रगति की विरासत को आगे बढ़ाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करे।

निःशुल्क अभ्युदय कोचिंग के लिए छात्र-छात्राएं 30 मई तक करें ऑनलाइन आवेदन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग एसएमबी इण्टर कालेज में सचालित है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नये बैच का प्रारम्भ किया जा रहा है। निःशुल्क कोचिंग द्वारा जिले में मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे- यूपीएससी, यूपीपीएससी, एसएससी, नीट, जेईई की प्रवेश परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी के लिए गुणवत्ता पूर्ण कोचिंग प्रदान की जा रही है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी संध्या रानी बघेल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छात्र-छात्राओं का चयन प्रवेश परीक्षा, मेरिट एवं काउन्सलिंग द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र-छात्राऐं ऑनलाइन आवेदन (अुँ८४८.ङ्बल्ली पोर्टल के माध्यम से) कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदन की छायाप्रति सहित सभी आवश्यक संलग्नकों सहित मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग एसएमबी इण्टर कालेज में जमा करना सुनिश्चित करें। छात्र-छात्राएं ऑफलाईन आवेदन प्रपत्र केन्द्र से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 मई निर्धारित की गयी है। ये तिथि पूर्व में 10 मई निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर 30 मई कर दिया गया है।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर रन फॉर हैल्थ एवं वाकथान का हुआ आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम में प्रातः 05:30 बजे मुख्य अतिथ आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ श्रीमती संगीता सिंह की अध्यक्षता में रन फॉर हेल्थ कार्यक्रम एवं वॉकथॉन का अयोजन किया गया, जिसमें संजीव रंजन, जिलाधिकारी डा० राजेश कटियार, अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अलीगढ़ मण्डल के द्वारा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।

आयोजन में मौजूद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथिगण के द्वारा प्रतिभागी समस्त जनमानस को हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) के बारे में विस्तृत रूप से जागरूक करते हुए और हाई ब्लड प्रेशर के बचाव व उपचार के बारे में अवगत कराया गया। सभी से नियमों का पालन करते हुए जीवनचर्या को बेहतर व स्वास्थ्यपूर्ण बनाये रखने की अपील भी की गयी। रन फॉर हेल्थ कार्यक्रम के अंतर्गत 400 मीटर रेस का आयोजन किया गया जिसमें महिला व पुरूष वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता सिंह, मंडल आयुक्त के द्वारा मेडल पहना कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा संतुलित भोजन ग्रहण करने, तनाव से मुक्त रहने, खेल-कूद को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया जिससे कि गैर संचारी रोगों से बचा जा सके।

डा० राजेन्द्र वार्ष्णेय चिकित्साधिकारी (कन्सल्टेन्ट) के द्वारा आम जनमानस को उच्च उक्तचाप के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराते हुये हाई ब्लड प्रेशर के बचाव व उपचार बताये गये बिन्दुओं का पालन करते हुये स्वस्थ्य जीवनशैली बनाये रखने के लिए आह्वान किया गया। डा० नीरज त्यागी, मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जाँचें और स्वास्थ्य जीवनशैली अपनाने से गैर संचारी रोगों को नियंत्रित व प्रबंधित किया जा सकता है। साथ ही खराब जीवनशैली गैर संचारी रोगों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण कारण है।

अलीगढ़ के कुरैशी समाज मे फूंटा आक्रोश, सेना पर टिप्पड़ी बर्दाश्त नही

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ के कुरैशी समाज के लोग उतरे सड़कों पर कर्नल सोफिया कुरैशी के अपमान के बदले भाजपा मंत्री को जेल भेजने की मांग

सोफिया कुरैशी को लेकर भाजपा मंत्री द्वारा दिए गए बयान के बाद अलीगढ़ में कुरैशी समाज ने फूंका भाजपा मंत्री का पुतला

अलीगढ़। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए बयान के बाद अलीगढ़ में अल कुरेश समिति के द्वारा बड़ा प्रदर्शन किया है उनके द्वारा अलीगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप पार्क से लेकर जिला कलेक्टरेट अलीगढ़ तक जमकर प्रदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के मंत्री को जेल की सलाखों के पीछे भेजने की मांग की है आक्रोशित लोगों के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के मंत्री विजय शाह का पुतला भी दहन किया है मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा पुतले को छीन ने की कोशिश की गई लेकिन अल कुरेश समिति के पदाधिकारी के द्वारा मंत्री का पुतला फूंकते हुए बड़ी कार्रवाई की मांग की है साथ ही उनके द्वारा एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति के नाम सोपा है जिसमें संस्था के नेता सगीर अहमद के द्वारा मांग की है जो देश की सेना के बारे में अपमानित करने का बयान देता है ऐसे लोगों को सलाखों के पीछे भेज देना चाहिए जल्द ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो अल कुरेश फाउंडेशन के बैनर तले देश भर में बड़े प्रदर्शन किए जाएंगे जिसका जिम्मेदार मौजूदा सरकार होगी अल कुरेश समिति के पदाधिकारी के द्वारा कहा गया जिस तरह से सरकार के मंत्री ही सेना में तैनात सोफिया कुरैशी को लेकर बयान दे रहे हैं उन पर मोजूदा सरकार के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जिसको लेकर कोर्ट के द्वारा स्वत संज्ञान लेने के बाद कार्रवाई के आदेश दिए तो मौजूदा वहां के प्रशासन के द्वारा छोटी-मोटी धारा में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा देशद्रोह से कम की धाराओं में मुकदमा दर्ज होने पर मंत्री को जेल की सलाखों के पीछे नहीं पहुंचाया जा सकता यही कारण है उनके द्वारा जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए आज अलीगढ़ में विजय शाह का पुतला दहन किया गया है जल्द बयान देने वाली मंत्री को बर्दाश्त नहीं किया गया तो बड़ा अभियान देशभर में चलाया जाएगा,

एसीएम आशुतोष कुमार सिंह के द्वारा बताया गया कर्नल सोफिया को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन अलकुरेश समिति के द्वारा जिलाधिकारी के नाम से उन्हें सोपा गया है उनके द्वारा ज्ञापन को प्राप्त कर लिया गया है इस ज्ञापन को आगे उचित कार्रवाई के लिए भेज दिया जाएगा।

किसानों की जमीन पर बिगैर अनुमति एवं उचित मुआवजा दिये पोल लगायें तो होगा आंदोलन: कृष्णा ठाकुर

नीमराणा-बरेली पावर ग्रिड लिमिटेड पर किसानों के उत्पीड़न का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। भारतीय किसान यूनियन भानु के युवा जिलाध्यक्ष कृष्णा ठाकुर के नेतृत्व में नीमराणा-बरेली पावर ग्रिड लिमिटेड के द्वारा किसानों की जमीन पर बिना अनुमति टॉवर (पोल) लगाए जाने के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (भानू) के पदाधिकारियों के साथ सैकड़ों क्षेत्रीय किसान नारेबाजी करते हुए उपजिलाधिकारी कार्यालय गभाना पहुंचे उपजिलाधिकारी से मिल आक्रोश जताते हुए कम्पनी के अधिकारी पर किसानों के उत्पीड़न का आरोप लगाया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी गभाना को सौंपा।

ज्ञापन में संगठन ने पावर ग्रिड कंपनी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों की जमीन पर जबरन कब्जा कर टॉवर लगाए जा रहे हैं किसानों को डराया धमकाया जा रहा है और पुलिस तथा राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी भी इस उत्पीड़न में कंपनी का साथ दे रहे हैं ,भाकियू (भानू) ने मांग की कि किसानों की अनुमति एवं उचित मुआवजा दिये बिगैर किसानों की भूमि पर टॉवर (पोल) न लगाए जाएं , प्रभावित किसानों को हरियाणा सरकार की तर्ज पर उचित मुआवजा दिया जाए।

किसानों को धमकाने वाले और जबरन पोल लगाने वाले अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए , प्रशासनिक और पुलिसकर्मियों की मिलीभगत की जांच कर उनके विरुद्ध भी विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए , किसान अगर सहमति देते हैं तो उन्हें पहले भूमि का मुआवजा अलग से और फसल की क्षतिपूर्ति का ?1 लाख प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवजा दिया जाए , जमीन पर लगे पोलो से फसलो के ऊपर जा रही लाईन का भी जांच कर मुआवजा दिया जाये । भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वह प्रदेशव्यापी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे ।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित ठाकुर, युवा जिलाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. शिवम जादौन, जिला उपाध्यक्ष सौरभ ठाकुर, हिमांशु पंडित , जिला उपाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ पवन कुमार दक्ष, पीयूष कुमार सिंह, मानेन्द्र चौधरी, सुरेन्द्र चौधरी, ओम ठाकुर, गोपाल सिंह, भुवनेश सिंह (मोहित) भूपेंद्र सिंह, ललित सूर्यवंशी, दीपाशू माहेश्वरी, ओमवीर सिंह, सचिन मोदी, कुलदीप सिंह, योगेन्द्र सिंह, प्रवीन कुमार, श्यौराज सिंह, राजवीर सिंह, मुनेश कुमार, जितेन्द्र सिंह एडवोकेट, विनेश सिंह एडवोकेट, सूरज, गुड्डू सिंह, राजेन्द्र पुजारी, योगेश सिंह, पिंकू , ओमपाल सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, रामकिशन, मोंटू , पवन कुमार, आदि किसान भारी संख्या में उपस्थित रहे।

अलीगढ़ कमिश्नर और एसपी ग्रामीण ने छात्र-छात्राओं को किया साइबर अपराधों के प्रति जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जनपद अलीगढ़ की तहसील अतरौली में केएमवी इंटर कॉलेज में मिशन जागृति के अंतर्गत मंडलायुक्त संगीता सिंह अलीगढ़ व एसपी ग्रामीण अमृत जैन के द्वारा छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया । आपको बता दे जनपद अलीगढ़ में साइबर अपराधों से बचने हेतु जनपद के विभिन्न स्थानों पर लगातार पुलिस के द्वारा मिशन जागृति चला जा रहा था। जिसका समापन अतरौली के केएमवी इंटर कॉलेज में मंडलायुक्त अलीगढ़ संगीता सिंह और एसपी ग्रामीण अमृत जैन व क्षेत्राधिकारी सर्जना सिंह एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा छात्र एवं छात्राओं को मिशन जागृति के अंतर्गत जागरूक किया गया । वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर क्राइम से होने वाली हानि के बारे में बताया गया।

छात्राओं ने सांस्कृतिक नृत्य कला के हुनर भी दिखाए। इस जागरूकता कार्यक्रम में अलीगढ़ कमिश्नर संगीता सिंह, एसपी ग्रामीण अमृत जैन, डीआईओएस सर्वदानंद सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा एवं अलीगढ़ मण्डल की मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में शनिवार को आगरा एवं अलीगढ़ मण्डल की मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। मा0 कृषि राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में कृषि उत्पादकता गोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया। प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र की अध्यक्षता में मण्डलीय खरीफ गोष्ठी में दोनों मंडलों के अंतर्गत आने वाले जिलों के कृषि व सम्बद्ध विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण, कृषि वैज्ञानिकों एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इससे पूर्व मा0 मंत्री जी एवं अधिकारियों द्वारा कृषि से संबंधित विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करने के उपरांत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से चयनित किसानों को लाभान्वित किया गया।

मा0 कृषि राज्यमंत्री कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग श्री बलदेव सिंह औलख ने मुख्य अतिथि के रूप मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि देश एवं प्रदेश में 2014 व 2017 के बाद किसान हित में क्रांति की तरह कार्य हुए हैं। किसानों को मुफ्त बिजली, कृषि यंत्र, उपकरण, उन्नत प्रजाति के बीज, सोलर पंप एवं उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान की जा रही है। किसानों की आय दोगुनी हो इसके लिए वैज्ञानिक पद्धति से खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। हरियाणा, करनाल, पूसा से उन्नतशील बीज मंगाकर किसानों को वितरित किए जा रहे हैं। केंद्र एवं प्रदेश सरकार में

कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने गोष्ठी एवं कृषि प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

मंत्री जी एवं अधिकारीगणों ने शासकीय योजनाओं से चयनित किसानों को किया लाभान्वित

किसानों का एजेंडा सर्वोपरि है। सरकार चाहती है कि किसान बिजली की तरफ नहीं सोलर की तरफ भागें, सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में सब्सिडीयुक्त सोलर पंप उपलब्ध हैं। मा0 मंत्री जी ने कहा कि गोष्ठी में किसानों द्वारा जो सुझाव दिए गए हैं, उनको प्रदेश स्तर पर रखा जाएगा। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए नहरों में टेल तक पानी और रोस्टर के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते परिवेश में खेती का तरीका बदलता पड़ेगा। आज किसानों के पास अवसर है कि वह सोलर पंप योजना का लाभ उठाएं। मेहनत के साथ तकनीक का प्रयोग करेंगे तो अवश्य ही खुशहाली आएगी। भूमिगत जल निरंतर नीचे जा रहा है, सिंचाई के नवीन साधन अपनाएं। अधिक उत्पादन पर होने वाले नुकसान से बचने के लिए प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने यूरिया, डीएपी एवं एनपीके के विकल्प के तौर पर नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के प्रयोग पर भी बल दिया। उन्होंने बताया कि यह कृषि विभाग का 150 वां वर्ष है और इसे बीज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

आयुक्त, आगरा मण्डल, आगरा शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि मण्डल में खरीफ 2025 के लिए 626685 हैक्टेयर में फसलों की बुवाई का लक्ष्य रखा गया है जो गत वर्ष से 42567 हैक्टेयर अधिक है। धान की उत्पादकता का लक्ष्य 31.57 कुंतल प्रति हैक्टेयर रखा गया है। मण्डल में 46557.54 कुंतल लक्ष्य के सापेक्ष 47317.72 कुंतल बीज उपलब्ध है। वर्तमान में आवश्यकता से अधिक उर्वरक उपलब्ध है एवं मांग के अनुरूप उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाएगी। विगत वर्ष में 254 सोलर पंप स्थापित किए गए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ 2024 में 25262 कृषकों के स्वीकृत दावों के सापेक्ष 21.741 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति प्रदान की गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में 19 किश्तों में 3946.187 करोड़ की धनराशि 1509360 कृषकों को प्राप्त हो चुकी है। विगत वर्ष 331 एफपीओ का गठन किया गया जो मिलेट्स उत्पाद, सीड प्रोसेसिंग, बीज उत्पादन एवं डेयरी क्षेत्र में प्रारम्भिक गतिविधियां कर रहे हैं।

मैनपुरी में जननी सुरक्षा योजना में हुआ भ्रष्टाचार

चहेतों के खाते में भेजा पैसा, दो कर्मचारी बर्खास्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जननी सुरक्षा योजना में भ्रष्टाचार की जांच में सीएचसी सलूक नगर बरनाहल पर तैनात दो कर्मचारी विभागीय जांच में दोषी पाए गए हैं। जांच अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद जिला स्वास्थ्य समिति ने दोनों के विरुद्ध बर्खास्तगी की कार्रवाई की है। कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप की स्थिति है।

सरकार की तरफ से सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने वाली प्रसूताओं को जननी सुरक्षा योजना के तहत ग्रामीण अंचल में 1400 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। वहीं, शहरी क्षेत्र में 1000 रुपये की धनराशि प्रदान की जाती है। सीएचसी बरनाहल पर एक ही महिला का एक साल में तीन-तीन बार प्रसव दिखाकर जननी सुरक्षा योजना का लाभ दिए जाने की शिकायत यहां तैनात एलटी (लैब टेक्नीशियन) विवेक पाल ने जनवरी 2025 में जिलाधिकारी और सीएमओ से की थी। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी मामले की शिकायत की थी। इसमें तत्कालीन प्रभारी चिकित्साधिकारी की संलिप्तता बताते हुए जननी सुरक्षा योजना में

भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

जांच में दोषी पाए गए कर्मचारी

मामले की जांच जिलाधिकारी के निर्देश पर सीएमओ डॉ. आरसी गुप्ता ने एसीएमओ डॉ. विजेंद्र सिंह और डिप्टी सीएमओ डॉ. सुरेंद्र सिंह के साथ जिला प्रोग्राम मैनेजर संजीव वर्मा को सौंपी थी। जांच रिपोर्ट में सीएचसी पर तैनात ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक संदीप दुबे और ब्लॉक एकाउंट मैनेजर धर्मेंद्र शाक्य को दोषी पाया गया। जांच अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर शनिवार को जिला स्वास्थ्य समिति ने संदीप दुबे और धर्मेंद्र शाक्य को दोषी मानते हुए सेवा से बाहर कर दिया।

हटाए जा चुके हैं तत्कालीन चिकित्साधीक्षक

मामले में शिकायत के बाद यहां तैनात तत्कालीन चिकित्साधीक्षक डॉ. रविदीप को प्रारंभिक जांच में दोषी मानते हुए 20 फरवरी को यहां से हटा दिया गया है। उन्हें कुचेला सीएचसी क्षेत्र की पीएचसी ईकरी पर तैनाती दी गई है।

शिकायतकर्ता को भी जारी हुआ नोटिस

मामले की शिकायत सीएचसी सलूक नगर पर ही तैनात एलटी (लैब टेक्नीशियन) विवेक पाल ने की थी। शिकायत कर्ता ने बताया था कि उसके खाते में भी गलत तरीके से जननी सुरक्षा योजना की धनराशि भेजी गई है। सीएमओ ने बताया कि जांच में पाया गया है कि शिकायतकर्ता ने मामले की जानकारी अपने खाते में धनराशि पहुंचने के छह महीने बाद की है। इससे साबित होता है कि कहीं न कहीं विवेक पाल भी पूरे मामले में शामिल है। विवेक को भी नोटिस जारी किया गया है।

क्या बोले सीएमओ मैनपुरी

सीएमओ डॉ. आरसी गुप्ता ने बताया कि सरकारी योजनाओं में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएचसी सलूक नगर बरनाहल के दो कर्मचारियों को जननी सुरक्षा योजना में भ्रष्टाचार के आरोप में सेवा से बाहर किया गया है।

बाइकों की टक्कर में युवक हुआ घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम खाडे देवर निवासी रफीक खान पुत्र अंसार खान द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि शनिवार को 09:30 बजे वाईक पर सवार होकर वह घर की ओर जा रहा था। जैसे ही रामगंज स्थित पन्ना मिष्ठान भंडार के सामने पहुंचा तभी अनियंत्रित गति से आ रही बाईक के चालक इरफान पुत्र अख्तर निवासी मोहल्ला अफसरी ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तेज आंधी से पैंटून पुल टूटा

पिनाहट। पिनाहट घाट चंबल नदी पर बना पैंटून पुल तेज आंधी के झोंके से टूट कर दो हिस्सों में बंट गया। जिस समय पुल टूट उस समय पुल पर दोनों से वाहनों का आवागमन चल रहा था। जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका से भगदड़ मच गयी। देर शाम तक पुल पर जेसीबी से सही करने का काम चलता रहा है।

शनिवार शाम करीब 4 बजे तेज आंधी के झोंके के साथ ही चंबल नदी पिनाहट घाट पर बना पैंटून पुल टूट कर दो हिस्सों में बंट गया। जिस समय पुल? टूटा उस समय पुल पर दोनों से तरफ से वाहनों का आवागमन चल रहा है। यह देख लोगों को होश उड़ गए। चारों तरफ सूचना से पुल पर भगदड़ मच गयी। आनन फानन में पहुंचे कर्मचारीयों ने पुल की स्थिति की संभाला और पुल पर फंसे वाहनों का पीछे की तरफ वापस कर दिया है। वहीं नगर पंचायत की जेसीबी मशीन से पुल के टूटे हुए हिस्से को जोड़ने का काम चालू कर दिया था शादियों का सालन होने के कारण पुल पर वाहनों की भारी भीड़ लग गयी। जिनको रोकने के लिए पुलिस कहीं भी नजर नहीं आई है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। भारतीय सेना के शौर्य को सलाम करने के लिए शनिवार को शहर में भाजपा ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान सेना के सम्मान में जमकर नारेबाजी भी की। सोरों गेट आंबेडकर पार्क से नदरई गेट गांधी मूर्ति तक निकली इस यात्रा का शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया। इससे पूर्व आंबेडकर पार्क पर कार्यक्रम आयोजित कर अतिथियों ने सेना की शौर्य गाथा का भी बखान किया।

तिरंगा यात्रा के शुभारम्भ की औपचारिकताएं एमएलसी रजनीकांत माहेश्वरी, जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा, सदर विधायक देवेंद्र सिंह राजपूत, अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा, यात्रा संयोजक गौरीशंकर शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों ने देश प्रेम के प्रति उत्साह व जोश को दोगुना कर दिया। यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीरें भी दिखाई दीं। तिरंगा यात्रा के दौरान एमएलसी रजनीकांत माहेश्वरी ने कहा कि भारतीय सेना के वीर रणबांकुरों ने पाकिस्तान के दांत खट्टे कर दिए। भारत की सेना के शौर्य को पूरी दुनिया देख चुकी है। यह तिरंगा यात्रा ऐसे ही वीर सपूतों व भारतीय सेना के शौर्य को सलाम करने के लिए निकाली गई है। जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि हर भारतीय को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर गर्व है। सेना ने घर में घुसकर पाकिस्तान को उसकी करनी का दंड दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में भारत आज आतंकवाद और उसको पालने पोषण वाले देश को मुंह तोड़ जवाब दे रहा है। महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड ने कहा कि हिंद की सेना ने अपने शौर्य से दुश्मन को धूल चटाई है। तिरंगा यात्रा मे पूर्व सैनिक भी शामिल रहे। इस दौरान नवल कुलश्रेष्ठ, डा. ज्ञान प्रकाश गुप्ता, ज्ञान तिवारी, केपी सिंह सोलंकी, अनिल पुंढीर, रमेश साहू, रत्नेश कश्यप, राजवीर भल्ला, संजय सोलंकी, चेयरमैन मीना माहेश्वरी, राजेंद्र बोहरे, डा. बीडी राना, महेंद्र सिंह बघेल, केपी सिंह, शरद गुप्ता, रानू वर्मा, अनुरोध प्रताप सिंह, कौशल साहू, रामनिवास राजपूत, प्रदीप रघुनंदन, दिनकर राव चतुर्वेदी, जितेंद्र बघेल, विष्णुदेव पाठक, डा. खूब सिंह, यशवीर सिंह, डा. शिव प्रताप सिंह, डा. योगेंद्र चौहान, बॉबी कश्यप, सांत्वना पाराशर, शांतनु चौधरी, कुलदीप प्रतिहार, डा. शैलेंद्र यदुवंशी, संजय मूना, प्रशांत राजपूत, राजीव यादव, लवकुश राजपूत, हरी सिंह, पवन यादव, श्यामू यादव, आलोक कुलश्रेष्ठ, प्रदीप चौहान, अरविंद पांडेय, कृपाशंकर गोला, जिला मीडिया प्रभारी केके सक्सेना मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत भुजपुरा में हुआ न्यायालय का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। विकासखंड सिढपुरा की ग्राम पंचायत भुजपुरा में आज दिनांक 17 मई 2025 को ग्राम न्यायालय का आयोजन किया गया जिसमें न्यायअधिकारी अनुराग सर एवं कोर्ट साहब अधिवक्ता एवं थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे ग्राम पंचायत भुजपुरा के पंचायत सचिवालय पर प्रथम बार ग्राम न्यायालय का आयोजन हुआ जिसमें गांव एवं क्षेत्र की जनता ने अपने जमीनी विवाद घरेलू अहिंसा एवं तहसील कोर्ट में लंबित विचाराधीन मामले पर सुनवाई की वादी प्रतिवादी की बात सुनकर कुछ मामले मौके पर ही निस्तारण किए गए बाकी मामलों को समय से निस्तारित करने के लिए संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया वही ग्राम पंचायत भुजपुरा के प्रधान गिरीशचंद्र ने बताया कि ज्यादातर घरेलू जमीनी आपसी विवाद पंचायत पर निपटाए जाते है और आगे इसी तरह का प्रयास जारी रहेगा कि कोई भी विवाद थाने या तहसील या जनपद तक ना पहुंचे गांव की समस्या गांव में ही समाधान हो ऐसा मेरा प्रयास है और आगे भी रहेगा, अमरसिंह धारासिंह बाबूराम महेंद्रपाल ओमप्रकाश मोहरवाती रामप्यारी आदि लोगों के विवादों का निस्तारण किया मौके ललित शाक्य पुष्पेंद्र उमेशचंद्र विजय आनंद कपिल देव वीरपाल धर्मवीर राजेंद्र रामगोपाल सोनेलाल सुरजीत सुमन प्रीती पूजा ममता सियादेवी लक्ष्मी आदि लोग मौजूद रहे।

अमेरिकी महिला को दी जान से मारने की धमकी

महिला की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। महिला से दुष्कर्म के आरोप में फरवरी माह में थाना पुलिस द्वारा जेल भेजे गए कुरावली थाना क्षेत्र स्थित प्रेमपुरा धाम के महंत अजय दास की अमेरिका निवासी महिला अनुयायी ने मुकदमा दर्ज कराया है। शरद यादव नाम के व्यक्ति पर धमकाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि सोशल मीडिया के जरिये उसे धमकी दी गई। बाबा से कोई संबंध न रखने को कहा गया।

अमेरिका के पोर्टलैंड, ओरेगन निवासी ललिता देवी बाथम ने थाने में 13 मई को तहरीर देकर यह केस दर्ज कराया है। इसमें आरोप है कि शरद यादव नाम के व्यक्ति ने उन्हें सोशल मीडिया के जरिये धमकाया कि अगर, प्रेमपुरा धाम के बाबा या फिर उनके परिवार से कोई संबंध रखा तो जान से मार दिया जाएगा। ललिता देवी ने लिखा है कि वह सनातन धर्म की अनुयायी हैं। इसका वह पालन करती रहेंगी। इसके अलावा ललिता देवी ने महंत अजय दास पर केस दर्ज कराने वाली महिला और इंस्पेक्टर कुरावली की कॉल डिटेल निकलवाने का भी अनुरोध किया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एसआई संजय सिंह को इसकी जांच सौंपी गई है। सीओ कुरावली सच्चिदानंद ने केस दर्ज किए जाने की पुष्टि की।

क्या है महंत अजयदास पर आरोप

कुरावली पुलिस ने 13 फरवरी को शरीफपुर मार्ग से महंत अजय दास को गिरफ्तार किया था। महंत पर पीड़िता ने आरोप लगाया था कि महंत अजय दास और उसके भाई ने उसे आश्रम में बंधक बनाकर दुष्कर्म किया था। अश्लील वीडियो व फोटो बना लिए थे। इन वीडियो को दिखाकर महंत लगातार दुष्कर्म करता रहा था। विरोध करने पर पीड़िता के बच्चों को जान से मारने की धमकी दी जाती थी। कोर्ट के आदेश पर यह केस दर्ज हुआ था।

मैनपुरी का नाम रोशन करने वाली छाया का सम्मान

अग्निवीर वायुसेना परीक्षा में पाया हैं देश में पहला स्थान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर/मैनपुरी। नगर के जीटी रोड स्थित बाल भारती मॉडल स्कूल में अपनी शुरूआती शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्रा छाया यादव पुत्री रजनीश यादव निवासी नगला ठकुरी छिनकौरा ने अखिल भारतीय स्तर पर अग्निवीर वायुसेना महिला परीक्षा में देश में प्रथम स्थान प्राप्त करके मैनपुरी जनपद का नाम रोशन किया था। शनिवार को बाल भारती मॉल स्कूल परिसर स्कूल की पूर्व में छात्रा रही छाया यादव का स्कूल के प्रबंधक और प्रधानाचार्य सहित स्टाफ ने स्वागत और सम्मान किया, स्कूल में छाया के चाचा विंग कमांडर इंडियन एयरफोर्स योगेन्द्र यादव का भी स्वागत और सम्मान किया गया। योगेन्द्र यादव भी पहले इसी विद्यालय के छात्र रह चुके है। छाया यादव का विद्यालय संचालक आनंद शर्मा, शीतल शर्मा सहित स्कूल के प्रधानाचार्य सहित स्टाफ ने फूल माला पहनाकर व पुष्प भेंट करके स्वागत सम्मान किया।

इस मौके पर धर्मेंद्र अज्ञानी, सर्वेश धारिया, भूरेलाल, सुदेश कुमार, सुनील मिश्रा, डॉ. राजवेंद्र मिश्रा, अंकित दीक्षित, विनय यादव, रोहित दीक्षित, प्रधानाचार्य शशि कुमार शर्मा, राहुल शाक्य, कपिल शाक्य आदि मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन की बैठक संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग लखनऊ के सदस्य रमाकान्त उपाध्याय की अध्यक्षता में गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन की बैठक का आयोजन निरीक्षण भवन कासगंज में किया गया, जिसमें समस्त सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक में सदस्य के द्वारा गौवंश का संरक्षण प्राथमिकता के आधार पर करने हेतु निर्देशित किया साथ ही गौशालाओं में संरक्षित गौवंश को भूसा/हरा चारा/दाना पर्याप्त मात्रा में खिलाने के निर्देश दिये गये। गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंश के भरण-पोषण हेतु दी जा रही धनराशि का गलत उपयोग नहीं होना चाहिए गौशालाओं से सम्बद्ध चारागाह की भूमि पर हरा चारा उगाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को जागरूक किया जाये कि अधिक से अधिक मात्रा में गोबर की खाद एवं गौमूत्र का उपयोग कर कृषि भूमि को उपजाऊ बनाया जाये तथा जिससे किसान की आय में वृद्धि हो सके। गौशालाओं में कार्यरत केयर टेकरों को निर्देशित किया जाये कि वह नियमित पानी की चरही साफ करें एवं सप्ताह में कम से कम एक बार चरही को चूने से पोता जाये। गौशाला में संरक्षित गौवंश को खुले में न रखकर छाया में रखने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में समस्त पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारियों को गौशालाओं में बीमार गौवंश की नियमित चिकित्सा सुविधा आदि उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत तीन पर की कार्यवाही

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार द्वारा अवैध अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के कुशल निर्देशन मे, सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस के द्वारा पशु क्रूरता करने वाले तीन दबोच लिया जबकि एक आरोपी फरार होने में सफल रहा।

बीते दिन शान्ति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत संदिग्ध वाहन/व्यक्ति चैकिंग के दौरान कस्वा प्रभारी दीपक कुमार ने कांस्टेवल गजेन्द्र सिंह, मोनू, नीरज कुमार के साथ सोशल मीडिया पर वायरल फोटो जिसमें पशुओं के साथ क्रूरता दिखायी दे रही है। के अपराधीगण की तलाश में मोहल्ला गाँधीनगर में मामूर थे कि मुखविर की सूचना पर गोपे पुत्र स्व. भोले निवासी मोहल्ला गाँधी नगर के घर से जफर पुत्र कल्लू निवासी मोहल्ला बगिया व इन्तजार पुत्र शमी निवासी मोहल्ला गाँधी नगर, गोपे कुरैशी पुत्र स्व0 भोले कुरैशी निवासी मोहल्ला गाँधी नगर को समय करीब 11.50 बजे गिरफ्तार किया गया। जबकि अनस पुत्र इलियास मौके से फरार होने में सफल रहा। जिनके विरुद्ध कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराकर अभियुक्तगणों को न्यायालय भेजा गया।

सौरिख पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के वांछित को दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के मार्ग दर्शन मे, क्षेत्राधिकारी छिबरामऊ मनोज कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक विष्णुकान्त तिवारी थाना सौरिख के कुशल नेतृत्व में थाना पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट के मामले में बांछित चल रहे आरोपी को हिरासत में लेकर कायार्वाही की गई है।

शनिवार को अपराध नियंत्रंण हेतु शांति व्यवस्था में गस्त दौरान थाना सौरिख प्रभारी निरीक्षक विष्णुकान्त तिवारी ने उपनिरीक्षक देवीसहाय वर्मा, कांस्टेवल कार्तिक तोमर, राजेश कुमार, निक्की कुमार के साथ चैकिंग के दौरान पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित मुकदमें में वांछित चल रहे नन्हे उर्फ चन्द्रशेखर पुत्र मुन्ना लाल उम्र करीब 32 वर्ष निवासी ग्राम हैवतपुर नादेमऊ थाना सौरिख को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस आयुक्त की सख्ती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर आगरा पुलिस कमिश्नरेट अब पूरी तरह एक्शन मोड में है। शनिवार को पुलिस आयुक्त ने कमिश्नरेट कार्यालय में पाक्षिक अपराध गोष्ठी आयोजित कर समस्त अपर पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।

इस दौरान लंबित मुकदमों, महिला अपराधों, जनशिकायतों, अवैध गतिविधियों और विवेचनाओं को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि एफआईआर दर्ज कराने आए किसी भी व्यक्ति को थानों में अनावश्यक रूप से न भटकाया जाए और जीरो एफआईआर हो या नियमित प्रकरण, तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। जनसुनवाई और क्राइम पोर्टल से संबंधित शिकायतों की मौके पर जाकर जांच कर गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त ने सिटीजन चार्टर के अनुपालन को अनिवार्य बताते हुए चेतावनी दी कि किसी भी तरह की अनदेखी मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। महिला और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर सख्त रुख ढडउरड एक्ट के तहत बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की त्वरित जांच के निर्देश दिए गए। महिला अपराधों की विवेचना को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखने को कहा गया।

पुलिस आयुक्त ने निर्देशित किया कि पुराने हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी बीट प्रभारी द्वारा दिन-रात की जाए। साथ ही नए हिस्ट्रीशीटर खोले जाएं और पूर्व में जेल गए अथवा रिहा हो चुके अपराधियों की सतत निगरानी हो।

न्यायालय संबंधी मामलों की समीक्षा

मुकदमों की चार्जशीट, अंतिम रिपोर्ट न्यायालय में समय से भेजने और CCMS पोर्टल पर वादों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए गए। साथ ही नोटिस, वारंट और NBW जैसे अदालती आदेशों को नियत तिथि से पहले अनुपालन कराने को कहा गया।

यातायात व्यवस्था सुधारने के निर्देश

अतिक्रमण हटाने, फुटपाथ को पैदल यात्रियों के लिए मुक्त कराने, बस और ई-रिक्शा की निर्धारित पार्किंग तय करने और सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को भी प्रमुख एजेंडे में शामिल किया गया। पुलिस आयुक्त ने मीडिया सेल को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भ्रामक, आपत्तिजनक पोस्ट पर सतर्क निगरानी रखने और त्वरित खंडन के निर्देश दिए।

जनता से संवाद और पुलिस अनुशासन पर जोर

पुलिस आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों में सतर्क रहें और जनता से शिष्टाचारपूर्वक व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास बनाए रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इस गोष्ठी में समस्त अधिकारियों की उपस्थिति और पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देश, आगरा में कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की दिशा में एक ठोस और निर्णायक कदम माने जा रहे हैं।

कूड़ा निस्तारण एवं स्वच्छता अभियान को गति दें पंचायत कर्मी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। मण्डल कार्यक्रम प्रबन्धक स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय, कानपुर, पलक शर्मा एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय शिवम सिंह द्वारा नगर के वार्ड संख्या-11 अशफाक उल्ला नगर में स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति की बैठक में प्रतिभाग कर आम जनता को स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों से अवगत कराया एवं वार्ड में कूड़ा के सोर्स सेग्रीगेशन के सम्बन्ध में सम्बन्धित सफाई मित्र एवं सफाई नायक से वार्ता कर उन्हें सोर्स सेग्रीगेशन के महत्व को समझाया।

शनिवार को आयोजित बैठक में उन्होनें बताया कि कचरे को सोर्स पर ही गीले एवं सूखे कचरे में अलग-अलग करने से उनका निस्तारण आसान हो जाता है। जबकि मिश्रित कचरा को निस्तारित किया जाना एक दुर्गम प्रक्रिया है। जिसमें समय एवं संसाधनों का अपव्यय होता है एवं वातावरण भी प्रदूषित होता है जो कि आम जनता के लिये हानिकारक है। बैठक उपरांत मण्डल प्रबन्धक द्वारा वार्ड में नागरिकों से भी सफाई व्यवस्था एवं कूड़ा निस्तारण के सम्बन्ध में फीडबैक प्राप्त किया गया जिसमें अधिकांश नागरिकों द्वारा बताया गया कि पालिका गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्रित किये जाने हेतु रिक्शा चला रही है। जिसमें नागरिकों द्वारा अलग-अलग कचरा प्रदान किया जाता है।

इसके उपरांत नगर पंचायत कार्यालय सभागार में सफाई कर्मचारियों एवं सफाई नायकों, आम जनता के साथ बैठक कर उनको सफाई व्यवस्था में आवश्यक सुधार हेतु दिशा निर्देश दिये एवं सफाई सफाई कर्मचारियों को सेफ्टी किट पहन कर ही कार्य किये जाने हेतु भी निर्देशित किया। इस दौरान सफाई नायक नरेश चंद्र, कम्प्यूटर ऑपरेटर दीपक श्रीवास्तव, आलोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

भारत की सबसे रहस्यमयी जगहें, जहां पर विज्ञान भी हो चुका है फेल

लेह की चुंबकीय हिल

लद्दाख के लेह में एनएच-1 पर स्थित चुंबकीय हिल पर गाड़ियां बिना इंजन के ऊपर की तरफ खिंचती हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह चुंबकीय शक्ति है, लेकिन वैज्ञानिकों की तरफ से इसे ऑप्टिकल इल्यूजन कहा जाता है। ढलान ऐसा दिखता है कि गाड़ी ऊपर जा रही है, जबकि वह नीचे की तरफ जाती है। हालांकि, यह थ्योरी भी पूरी तरह से स्वीकार नहीं की गई। यह स्थान सैलानियों के लिए बड़ा आकर्षण है। वैज्ञानिकों ने इस हिल के चुंबकीय क्षेत्र की जांच की, लेकिन कोई असामान्य शक्ति नहीं मिली। यह जगह भारत के रहस्यमयी स्थानों में शामिल है।

नई दिल्ली। भारत में कई अजीबोगरीब, तो कुछ रहस्यमयी जगहें। इस जगहों के रहस्य को आज तक कोई नहीं सुलझा पाया है। आज हम आपको इस अपने लेख में भारत की कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में बताएंगे। इन जगहों के रहस्यों को जानकर आपको यकीन नहीं होगा। इसके साथ ही हैरानी भी होगी।

राजस्थान का कुलधरा गांव

कुलधरा गांव जैसलमेर से 18 किलोमीटर दूर स्थित है। इस गांव के रहस्य को जानकर आपकी रूह कांप जाएंगी। 19वीं सदी में गांव में पालीवाल ब्राह्मण रहते थे, जो बेहद खुशहाल थे, लेकिन एक रात अचानक पूरा गांव खाली हो गया। 800 से अधिक परिवार कहां लापता हो गया, किसी को नहीं पता। स्थानीय लोगों का मानना है कि एक दीवान था, जो लोगों पर जुल्म करता था। इसके कारण गांव वालों ने श्राप देकर इसे छोड़ दिया। यह गांव आज भी वीरान पड़ा है और रात में अजीब आवाजें सुनाई देती हैं। कुलधरा के रहस्य को सुलझाने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

तुलसीश्याम की रहस्यमयी पहाड़ी

गुजरात के खेड़ा जिले में तुलसीश्याम की पहाड़ियां स्थित हैं। यह प्रकृति के नियमों को चुनौती देती हैं। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि अगर आप यहां पर गाड़ी को न्यूट्रल में छोड़ दें, तो गाड़ी नीचे जाने की बजाय ऊपर की ओर जाने लगती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह भगवान का चमत्कार है, लेकिन वैज्ञानिक इसे चुंबकीय क्षेत्र या ऑप्टिकल इल्यूजन कहते हैं। फिर आज तक इसका कोई सही जवाब नहीं मिल पाया है।

केरल में जुड़वा लोगों का गांव

केरल के मलप्पुरम जिले में स्थित कोडिन्ही गांव को जुड़वा लोगों का गांव कहा जाता है। यहां पर 2,000 परिवार रहता है, जिसमें 400 से ज्यादा जुड़वां बच्चे हैं। यह विश्व औसत से कई गुना अधिक है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि 2000 के बाद जुड़वां बच्चों की संख्या और बढ़ गई। वैज्ञानिकों ने जेनेटिक्स, खान-पान और पर्यावरण की जांच की, लेकिन कोई ठोस वजह नहीं मिली। यह गांव रहस्य और आश्चर्य का मिश्रण है। कुछ वैज्ञानिक इसे जेनेटिक म्यूटेशन मानते हैं।

रोचक खबरें

तुर्की में हैं दुनिया के सबसे अनोखे झरने, स्वर्ग जैसा दिखता है नजारा

नई दिल्ली। तुर्की (अब तुर्किए) के डेनिजली प्रांत में स्थित पामुक्काले नाम के गांव में दुनिया के सबसे अनोखे गर्म पानी के झरने पाए जाते हैं। यह दिखने में बिल्कुल रूई के महल जैसा लगता है, इसलिए इसे 'कॉटन कैसल' भी कहा जाता है। तुर्किए के पामुक्काले गांव में दुनिया के सबसे अनोखे गर्म पानी के झरने पाए जाते हैं, जो एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है। यहां का दृश्य स्वर्ग जैसा प्रतीत होता है। दरअसल, यहां सफेद चूना पत्थरों के जो गर्म झरने हैं वो रूई के महल की तरह प्रतीत होते हैं, इस कारण तुर्की के पामुक्काले को 'कॉटन कैसल' भी कहा जाता है। पामुक्काले गांव नाम तुर्की के पामुक शब्द यानि कॉटन, और क्काले शब्द यानि महल से मिलकर बना है, जो अपनी आश्चर्यजनक ट्रैवर्टीन संरचनाओं के लिए जाना जाता है। ये गर्म झरने कैल्शियम कार्बोनेट से भरपूर हैं, जिसके बारे में ऐसा कहा जाता है कि इसमें त्वचा की स्थिति और गठिया सहित विभिन्न बीमारियों के लिए उपचारात्मक गुण होते हैं। वहीं, खनिज-समृद्ध जल से बनी ट्रैवर्टीन संरचनाएं, सफेद चूना पत्थर की छतों और झरने वाले तालाबों की एक श्रृंखला की तरह दिखती हैं, जो किसी को भी मंत्रमुग्ध कर दे।

यूरोप का मरीज है तुर्की, जहां कॉफी न मिलने पर पतियों से तलाक ले लेती थीं महिलाएं

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में तुर्की ने पाकिस्तान का साथ दिया, जिसके बाद हर भारतीय इस देश को बॉयकॉट करने की बात कह रहा है। वैसे क्या आप जानते हैं कि इस देश को यूरोप का 'मरीज' भी कहा जाता है और यहां चाय की जगह हर कॉफी मांगने वाले मर्दों को उनकी पत्नियों ने तलाक तक दे दिया। सुनने में आपको ये बात भले ही अजीब लग रही हो, लेकिन ये पूरी तरीके से एकदम सच है। दुनिया के अगर सबसे खूबसूरत देशों की अगर बात की जाए तो उसमें तुर्की का नाम सबसे ऊपर आता है। ये यूरेशिया एक भौगोलिक भूखंड है, जो यूरोप और एशिया महाद्वीप को मिलाकर बना है। इसे आप एशिया और यूरोप का पुल भी कह कह सकते हैं, क्योंकि इस देश का कुछ भाग यूरोप में और अधिकांश भाग एशिया में पड़ता है। इसके अलावा दुनिया इस देश को 'यूरोप का रोगी' यानी 'यूरोप का मरीज' भी कहती है। अगर इस देश के इतिहास की बात की जाए तो ये कई साम्राज्यों के आधीन रहा है। ये देश 530 ईसा पूर्व में ईरान के फारसी साम्राज्य का हिस्सा बना था और कई सालों तक यह यूनानियों द्वारा संघर्ष के कारण ग्रीक और ईरानी साम्राज्यों में बंटा रहा. इतना सबकुछ होने के बाद तुर्की को महान सिंकदर के यूनानी (मेसीडोनी) साम्राज्य में आ गया और फिर (635 ईस्वी) में यहां इस्लाम को खूब फला-फूला और औगुज, सल्जूक और उस्मानी लोग सुन्नी मुस्लमान बन गए।

मिला 60 करोड़ साल पुराना 'खजाना' खुलेगा पहाड़ों में समंदर का गहरा राज

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के सोलन में दुनिया के सबसे प्राचीन पृथ्वी के स्ट्रोमैटोलाइट्स जीवाश्म मिलने का दावा किया गया है। ये जीवाश्म गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इन्हें टेथिस जीवाश्म संग्रहालय के संस्थापक डॉ. रितेश आर्य ने खोजा है। उन्होंने दावा किया है कि ये जीवाश्म 60 करोड़ साल से भी अधिक पुराने हैं, जो पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत की कहानी बताते हैं। ये जीवाश्म चंबाघाट के पास जोलाजोरां गांव में मिले हैं। डॉ. आर्य ने कहा कि स्ट्रोमैटोलाइट्स समुद्र की उथली सतहों पर माइक्रोबियल चादरों से बने परतदार पत्थर होते हैं। ये दर्शाते हैं कि सोलन क्षेत्र कभी टेथिस सागर का समुद्री तल हुआ करता था। यह सागर कभी गोंडवाना (जिसमें भारत, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका और अंटार्कटिका शामिल थे) और एशिया के बीच था। डॉ. आर्य ने कहा कि जब पृथ्वी की हवा में ऑक्सीजन नहीं थी और ग्रीनहाउस गैसें छाई थीं, तब इन्हीं सूक्ष्म जीवों ने करीब 2 अरब साल में धीरे-धीरे ऑक्सीजन बनाना शुरू किया, इससे आगे जाकर जीवन संभव हुआ। अगर स्ट्रोमैटोलाइट्स नहीं होते तो आज ऑक्सीजन भी नहीं होती। डॉ. आर्य इससे पहले सोलन के धर्मपुर के कोटी में, चित्रकूट और हरियाणा के मोरनी हिल्स से भी इन्हें खोज चुके हैं। उनका कहना है कि चंबाघाट के जीवाश्म अलग प्रकार की परतदार संरचना दर्शाते हैं, जो एक भिन्न प्राचीन पर्यावरणीय दशा की जानकारी देते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल की धरती में करोड़ों साल पुराना समुद्री इतिहास छिपा है। इसे संरक्षित कर हमें अगली पीढ़ियों को सौंपना होगा।

गजब परंपरा! झारखंड के इस मंदिर में भगवान नहीं, घोड़े की होती है पूजा

जमशेदपुर। झारखंड की सांस्कृतिक विरासत में कई रहस्य और आस्थाओं की झलक मिलती है, पर सरायकेला जिले के गम्हरिया प्रखंड में स्थित घोड़ा बाबा मंदिर एक ऐसी अनोखी परंपरा का प्रतीक है, जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाए। यहां भक्त भगवान की मूर्ति को नहीं, बल्कि एक पौराणिक प्रतीक 'घोड़ा बाबा' की आराधना करते हैं। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु इस मंदिर में प्रसाद स्वरूप असली घोड़ा नहीं, बल्कि मिट्टी के घोड़े और हाथी चढ़ाते हैं, जो श्रद्धा और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

मंदिर का प्रसाद नहीं ले जा सकते हैं घर

जमशेदपुर से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस मंदिर में साल में एक बार,

विशेषकर मकर संक्रांति के अगले दिन विशाल जनसमूह एकत्र होता है। उस दिन भक्तजन दूर-दराज से आकर घोड़ा बाबा की पूजा करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। यहां की सबसे रोचक परंपरा यह है कि मंदिर से मिलने वाला प्रसाद जैसे केला और नारियल, भक्त अपने घर नहीं ले जा सकते हैं। उन्हें या तो मंदिर परिसर में ही ग्रहण करना होता है, या सावधानीपूर्वक किनारे रख देना होता है, ताकि कोई अपवित्रता न हो। यह परंपरा भक्तों के भीतर आस्था के साथ-साथ अनुशासन और श्रद्धा का भाव भी भर देती है।

मन्नत पूरी होने पर चढ़ाया जाता खास चीज

कुम्भकार जाति की महिलाएं नहीं जातीं मंदिर

पूर्व में इस मंदिर में महिलाओं का प्रवेश वर्जित था। विशेषकर कुम्भकार जाति, जो इस मंदिर का संचालन करती है, उनकी महिलाएं आज भी मंदिर नहीं जातीं। हालांकि, समय के साथ यह परंपरा काफी हद तक समाप्त हो चुकी है और अब 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है।

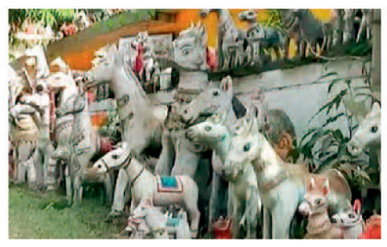

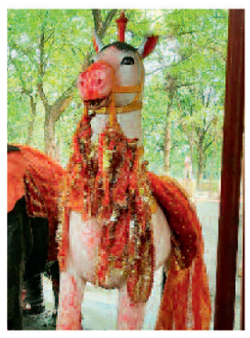

घोड़े पर सवार होकर आए थे भगवान कृष्ण और बलराम

माना जाता है कि लगभग 300 वर्ष पूर्व भगवान कृष्ण और बलराम यहां घोड़े पर सवार होकर आए थे। उन्होंने इस क्षेत्र की उर्वरता देखकर बलराम द्वारा हल चलवाकर खेती की शुरुआत करवाई। मान्यता है कि उनके जाने के बाद उनके साथ आए घोड़े यहीं रह गए और स्थानीय लोगों ने उन घोड़ों को दिव्य रूप में पूजना प्रारंभ किया। धीरे-धीरे यह परंपरा एक आस्था में परिवर्तित हो गई और घोड़ा बाबा की पूजा शुरू हुई। आज भी मंदिर के बाहर सैकड़ों मिट्टी के घोड़े कतार में देखे जा सकते हैं। हर एक मन्नत, हर एक श्रद्धा की कहानी अपने भीतर समेटे हुए। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता उदाहरण भी है।

वैज्ञानिकों ने की 3 आंखों वाले 'राक्षस' की खोज, कहलाता था समंदर का शिकारी

लंदन। समंदर की गहराई में कई ऐसे रहस्य आज भी छुपे हुए हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। अक्सर वैज्ञानिक समुद्री रहस्यों से जुड़े खोज करते रहते हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे ही जीव के बारे में पता लगाया है, जिससे जुड़ी स्टडी हाल ही में रॉयल सोसाइटी ओपन साइंस में पब्लिश हुई। शोध के अनुसार, जीवाश्म वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि 50 करोड़ साल पहले धरती पर समुद्र के अंदर तीन आंखों वाला एक ऐसा शिकारी जीव रहता था, जिसके कांटेदार पंजे होते थे और मुंह दांतों से भरा था।

एक उंगली जितनी थी लंबाई

मोसुरा फेंटोनी की शक्ल किसी साइंस-फिक्शन फिल्म के प्राणी जैसी है। इसकी लंबाई बस एक उंगली जितनी थी, लेकिन ये छोटा शिकारी बड़ा खतरनाक था। इसकी तीन आंखों में नसों के गुच्छे मिले, जो आज के आर्थ्रोपॉड्स की तरह देखने और समझने में माहिर थे। रॉयल ओंटारियो म्यूजियम के जीन-बर्नार्ड कैरॉन ने कहा, 'इन नसों से पता चलता है कि इतने पुराने जीव की आंखें कितनी उन्नत थीं।' इसके कांटेदार पंजे छोटे-छोटे शिकार को जकड़ने के लिए थे और नीचे की तरफ दांतों से भरा गोल मुंह भोजन को चबाने में मदद करता था। इसकी बॉडी में बड़े-बड़े फ्लैप थे, जो पंखों की तरह तैरने में मदद करते थे।

प्राचीन समुद्री जीव की अजीब शक्ल देखकर लोग हैं हैरान

सोशल मीडिया पर ये खोज लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। लोग इसे 'एलियन' या 'काइजू' बुला रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'ये तो समुद्र का मॉथा है!' कुछ ने मजाक किया, 'तीन आंखों वाला शिकारी? ये तो किसी साइ-फाई फिल्म का हीरो है!' कई लोगों ने इसकी तुलना सिम्पसन्स की तीन आंखों वाली मछली ब्लिंकी से की और कहा, 'क्या ये ब्लिंकी का दादा-परदादा है?' ये खोज न सिर्फ वैज्ञानिकों, बल्कि आम लोगों को भी रोमांचित कर रही है, जो इस प्राचीन समुद्री जीव की अजीब शक्ल देखकर हैरान हैं। बर्गेस शेल की ये खोज हमें उस दौर की झलक देती है, जब धरती पर जीवन अपने सबसे अनोखे और रहस्यमयी रूपों में उभर रहा था।

16 गलफड़ों वाले हिस्से थे पेट में

सबसे बड़ी हैरानी इसका पेट था, जिसमें 16 गलफड़ों वाले हिस्से थे, जो किसी और रेडियोडॉन्ट में नहीं देखा गया। मैनिटोबा म्यूजियम के जो मोइसियुक ने कहा, 'ये हिस्सा आज के हॉर्सशू क्रैब, वुडलाइस और कीड़ों से मिलता-जुलता है। ये खोज बताती है कि कैम्ब्रियन काल में समुद्री जीव कितने अलग थे।' इसे 'इवॉल्यूशनरी कन्वर्जेंस' कहते हैं, जहां अलग-अलग जीव एक जैसे लक्षण विकसित कर लेते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि ये गलफड़े शायद कम ऑक्सीजन वाले पानी में सांस लेने या तेज तैरने के लिए थे। बता दें कि रॉयल ओंटारियो म्यूजियम ने 1975 से 2022 के बीच मोसुरा के 61 जीवाश्म इकट्ठे किए। कुछ जीवाश्म इतने साफ हैं कि इनमें पाचन तंत्र, खून की नसें और सर्कुलेटरी सिस्टम दिखता है।

'सब साथ लेंगी छुट्टी!' एक साथ प्रेग्नेंट हुईं 14 नर्स, एक ही अस्पताल में करती हैं काम

न्यूयार्क। एक ही अस्पताल में एक से ज्यादा प्रेग्नेंट महिलाओं की डिलीवरी होना आम बात है। पर क्या आपने कभी एक ही अस्पताल में एक से ज्यादा नर्सों को एक साथ प्रेग्नेंट देखा है? इन दिनों अमेरिका एक अस्पताल के खूब चर्चे हैं, जहां एक साथ 14 नर्स प्रेग्नेंट हैं और उनकी डिलीवरी चंद महीनों में है। ये अजीबोगरीब खबर सुनकर सोशल मीडिया पर लोग काफी हैरान हुए और कहने लगे कि अब वो सारी नर्सें एक साथ छुट्टी पर जाएंगी और अस्पताल का स्टाफ एक झटके में कम हो जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक शहर है, जिसका नाम है ग्रीन बे. यहां के सेंट विंसेंट हॉस्पिटल में एक अजब-गजब मामला सामने आया है। हुआ यूं कि अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में काम करने वाली 14 नर्सें एक साथ प्रेग्नेंट हैं। जब इसकी खबर बाहर आई तो सभी लोग हैरान हो गए। अस्पताल ने खुद एक प्रेस रिलीज जारी कर इसके बारे में बताया। मेडिकल सेंटर ने ये खास खबर मदर्स डे के मौके पर दी, जिस वक्त अमेरिका में नेशनल नर्स वीक (6 मई से 12 मई) चल रहा था। अस्पताल के निदेशक की ओर से कहा गया कि अस्पताल की कुछ नर्सें पहली बार मां बनने जा रही हैं। ये सारी महिलाएं पहले से ही बच्चा संभालने में एक्सपर्ट हो चुकी हैं। अब इस क्षेत्र में उनकी नॉलेज बढ़ जाएगी। प्रेस रिलीज में बताया गया कि उसी अस्पताल में नर्सों का हेल्थ चेकअप भी लगातार हो रहा है। कई नर्सों की डिलीवरी अलग-अलग महीनों में शेड्यूल है।

बिहार का एक ऐसा परिवार, जहां पैदा होते हैं सिर्फ अंग्रेज! हर सदस्य दूध-सा गोरा

एजेंसी ▶▶| पटना

आज के समय में मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की कर ली है। कई ऐसी बीमारियां, जिसका एक समय पर इलाज नहीं था, आज उसकी दवाइयां आ चुकी है। जिन बिमारियों से पहले लोग घबरा जाते थे, अब उसका इलाज कर छुटकारा पा लेते हैं। लेकिन, ऐसी कई बीमारियां अभी भी मौजूद हैं जो जेनेटिक होती हैं। जेनेटिक बीमारियां वो होती हैं, जो एक पीढ़ी से दूसरी में ट्रांसफर होती है। जेनेटिक बिमारियों का इलाज करना थोड़ा मुश्किल होता है। बिहार के गोपालगंज में एक परिवार ऐसी ही जेनेटिक बीमारी को कई पीढ़ियों से ढो रहा है। इस परिवार में कई पीढ़ियों से ऐल्बिनिज़म नाम की जेनेटिक बीमारी ट्रेवल कर रही है। इसकी वजह से परिवार का हर सदस्य बेहद गोरा दिखता है। अपने रंग की वजह से इस परिवार को सभी अंग्रेज की फैमिली बोलते हैं। लेकिन, असल में ये एक बीमारी की वजह से है। इसका अंग्रेजों से कोई लेना देना नहीं है।

पति-पत्नी और बच्चे सभी इतने गोरे

सोशल मीडिया पर इस परिवार को अंग्रेजों का परिवार बताया जा रहा है। अपने रंग की वजह से फैमिली काफी चर्चा में रहती है। कई गांवों से लोग इस फैमिली को देखने के लिए आते हैं। लेकिन, असल में इस परिवार का कोई भी सदस्य कभी विदेश गया ही नहीं है। इस फैमिली में जेनेटिक बीमारी ऐल्बिनिजम मौजूद है। इसमें इंसान की स्किन का कलर पेल यानी रंगहीन हो जाता है। इस बीमारी का इलाज काफी मुश्किल है, क्योंकि ये जेनेटिक रोग है और मां-बाप से बच्चे को आसानी से पास ऑन हो जाता है।

क्या है ऐल्बिनिज़म?

ऐल्बिनिज़म एक जेनेटिक बीमारी है। इसमें बॉडी मेलेनिन का सिक्रीशन काफी कम करती है। जिसकी बॉडी में जितना अधिक मेलेनिन पैदा होता है, उसका रंग उतना ही डार्क होता है। ऐल्बिनिज़म में बॉडी के अंदर मेलेनिन बनता ही नहीं है। इस वजह से इससे ग्रस्त शख्स बेहद गोरा नजर आता है। आपको बता दें कि ऐल्बिनिज़म और वर्टिगो में अक्सर लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं। लेकिन, ये दोनों ही अलग स्थितियां हैं। वर्टिगो जेनेटिक बीमारी नहीं है। ये जन्म के बाद होती है। जबकि ऐल्बिनिज़म पैदा होने के साथ इंसान को अपनी चपेट में ले लेता है।

अनुपम खेर की तन्वी द ग्रेट में मेजर श्रीनिवासन का किरदार निभाएंगे

अरविंद स्वामी

अभिनेता से निर्देशक बने अनुपम खेर इन दिनों अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म में लगातार नए-नए एक्टर्स की एंट्री हो रही है। जिनका अनुपम खेर स्वागत कर रहे हैं। इयान ग्लेन, बोमन ईरानी और जैकी श्रॉफ के बाद अब अनुपम खेर की फिल्म में एक और एक्टर की एंट्री हुई है। जिसकी जानकारी अनुपम खेर ने खुद दी है।

अनुपम खेर ने अरविंद स्वामी को बताया भरोसेमंद दोस्त

अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से ये जानकारी दी है कि एक्टर अरविंद स्वामी की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में एंट्री हुई है। अरविंद स्वामी फिल्म में मेजर श्रीनिवासन की भूमिका निभाएंगे। अनुपम ने अरविंद स्वामी का पोस्टर शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, पहली बार मैंने अरविंद स्वामी को रोजा में देखा था। मैं इस नए अभिनेता के अभिनय से दंग रह गया। फिर मैंने उन्हें फिल्म बॉम्बे में देखा। मेरे लिए, वह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक शानदार अभिनेता का आगमन था। बहुत सालों बाद में हमने एक फिल्म की 'सात रंग के सपने'। इस फिल्म के दौरान मुझे जीवन भर के लिए सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय दोस्त मिला।

कई सालों तक याद किया जाएगा मेजर श्रीनि का किरदार

निर्देशक अनुपम खेर ने आगे अरविंद स्वामी की भूमिका के बारे में बात करते हुए लिखा, जब मैं 'तन्वी द ग्रेट' के लिए मेजर श्रीनिवासन की भूमिका के लिए किसी अभिनेता को चुनना चाहता था, तो मेरे दिमाग में कोई और नहीं आया। फिल्म में उन्हें मेजर श्रीनि कहा गया है, जो ताकत, साहस और बहादुरी का पावरहाउस है। अरविंद के प्रदर्शन ने मुझे गौरवान्वित महसूस कराया। ठीक वैसे ही जैसे भारतीय सेना हम सभी को सुरक्षित, संरक्षित और प्रतिष्ठित महसूस कराती है। स्वामी आपकी दोस्ती, मुझ पर विश्वास और आपकी प्रतिभा के लिए धन्यवाद। आप न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक बेहतरीन दोस्त भी हैं। मेजर श्रीनि का आपका किरदार आने वाले कई सालों तक याद रखा जाएगा। जय हिंद।

बोमन ईरानी और जैकी श्रॉफ भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

अनुपम खेर द्वारा निर्देशित 'तन्वी द ग्रेट' में शुभांगी दत्त प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। जबकि फिल्म में बोमन ईरानी, जैकी श्रॉफ और गेम ऑफ थ्रोन्स के एक्टर इयान ग्लेन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट का एलान अभी नहीं किया गया है।

राजकुमार राव की पत्नी कहलाना पत्रलेखा को नहीं पसंद

अपनी हालिया रिलीज 'फुले' को लेकर चर्चाओं में रहीं अभिनेत्री पत्रलेखा को अभिनेता राजकुमार राव की पत्नी के नाते ज्यादा पहचाना जाता है। जो कि पत्रलेखा को बिल्कुल भी पसंद नहीं है। खुद पत्रलेखा ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्हें राजकुमार राव की पत्नी के नाम से पहचाना जाना बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

मेरा एक नाम है अस्तित्व है

बातचीत में अभिनेत्री पत्रलेखा ने इस बारे में बात की। जिसमें उन्होंने शादी के बाद राजकुमार राव की पत्नी के तौर पर अधिक पहचान मिलने से नाराजगी जताई है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इससे वाकई नफरत है और मैं खुद को बहुत छोटा महसूस करती हूं। क्योंकि मेरा एक नाम है। मेरा एक अस्तित्व है। मेरी एक पहचान है। लेकिन एक मशहूर पति की आड़ में ये सबकुछ छुप जाता है।

मेरा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ

अपने करियर को लेकर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मेरे करियर में संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। कई लोगों को लगता है कि मेरा सफर आसान रहा होगा क्योंकि मैं किसी जाने-माने अभिनेता को डेट कर रही थी या अब उससे शादी हो चुकी है। लेकिन ऐसा नहीं है। यदि आप खुद को एक व्यक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं तो यह कभी भी आसान नहीं होता। अपना खुद का करियर ग्राफ बनाना, यह बहुत कठिन है।

मेकर्स राजकुमार राव को कास्ट करने के इरादे से मेरे पास स्क्रिप्ट लाते हैं

पत्रलेखा ने आगे बताया कि कैसे लोग उनके पास स्क्रिप्ट इसलिए लाते हैं क्योंकि वो राजकुमार राव को फिल्म में लाने में मदद करेंगी। अभिनेत्री ने कहा, लोग अक्सर मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर आते हैं, इसलिए नहीं कि वे वाकई मुझे प्रोजेक्ट में चाहते हैं। बल्कि इसलिए कि उन्हें उम्मीद है कि मैं राजकुमार राव के लिए एक पुल का काम करूंगी। मेकर्स अक्सर मेरी प्रतिभा में दिलचस्पी दिखाने के बजाय मेरे पति को कास्ट करने के छिपे हुए इरादे से मेरे पास आते हैं। इस तरह का व्यवहार बेहद अपमानजनक लगता है। यह मेरी गरिमा के खिलाफ है। मैंने हमेशा अपने करियर और राजकुमार के बीच एक लाइन बना रखी है।

मीडिया और इंडस्ट्री से की अपील

पत्रलेखा ने मीडिया और इंडस्ट्री से भी एक अपील की कि उन्हें केवल एक लेबल तक सीमित न रखा जाए। वह कभी भी इस तरह से देखे जाने में सहज महसूस नहीं करेंगी और जब तक संभव हो, इसका विरोध करती रहेंगी।

'फुले' में नजर आई थीं पत्रलेखा

पत्रलेखा हाल ही में 'फुले' फिल्म में नजर आई थीं। यह फिल्म समाज सुधारक ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। इससे पहले वो अनुभव सिन्हा की वेब सीरीज 'आईसी 814 कंधार हाईजैक' में एयरहोस्टेस के किरदार में दिखाई दी थीं। पत्रलेखा ने अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं।

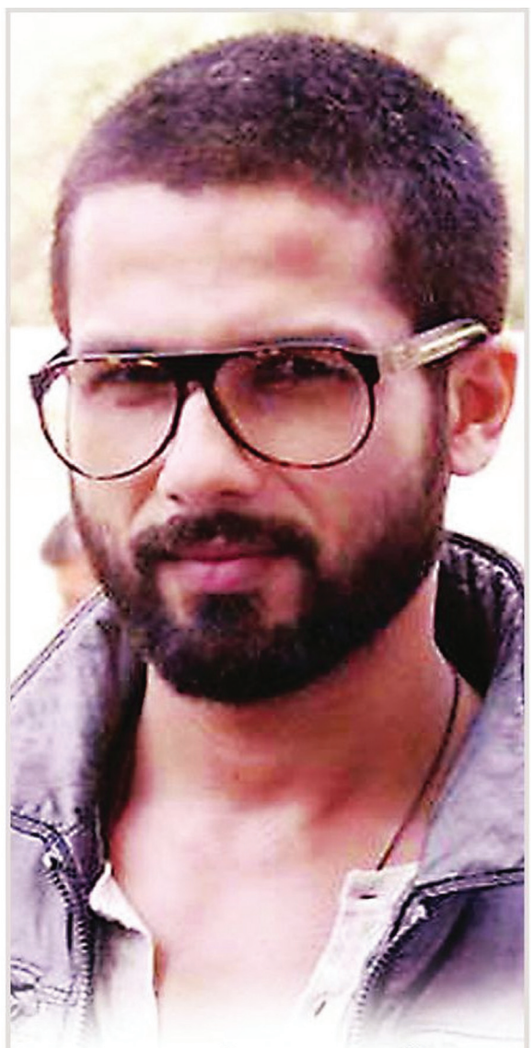

फर्जी 2 के लिए शाहिद कपूर ने ली 45 करोड़ रुपए फीस

हिद कपूर पिछली बार पूजा शा हेगड़े कर साथ फिल्म देवा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ कमाल नहीं दिखा सकी। आने वाले समय में शाहिद एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास वेब सीरीज फर्जी का सीक्वल भी है। अब शाहिद की फीस का खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... फर्जी 2 के लिए निर्माताओं की तरफ से शाहिद को 45 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। खास बात यह है कि यह राशि अब तक किसी भी प्रोजेक्टर के लिए मिली शाहिद के करियर की सबसे बड़ी रकम है। फर्जी 2 की कहानी लिखी जा चुकी है। इस साल के अंत तक शाहिद इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। यह सीरीज अगले साल के मध्य तक ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। राज और डीके ने फर्जी 2 के निर्देशन की कमान संभाली है। इसमें शाहिद का सामना विजय सेतुपति और केके मेनन से होगा। बता दें कि फर्जी का पहला भाग साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया। ये एक ग्राफिक आर्टिस्ट सनी की कहानी है, जो अपने दादा की प्रिंटिंग प्रेस को बचाने के लिए नकली नोट छापने की दुनिया में कदम रखता है।

सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरु संग किया रिश्ता कन्फर्म!

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। इस बीच सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें राज निदिमोरु भी नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही यूजर्स का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। दरअसल, यह तस्वीरें सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में राज मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं और एक डॉगी उनके साथ खेल रहा है। जबकि दूसरी तस्वीर में सामंथा और राज एक साथ सेल्फी के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'सफर लंबा था, लेकिन आखिरकार हम यहां तक पहुंच ही गए । एक नई शुरुआत।' सामंथा और राज निदिमोरु साथ में द फैमिली मैन और सिटाडेल- हनी बनी जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स के साथ भी देखा गया था। इसके बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर खबरें आने लगी थीं। हालांकि, अब तक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्म शुभम का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं। यह बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म होगी।

ओप्पम के रीमेक के लिए सैफ सीखेंगे कलारीपयट्ट

सैफ अली खान मलयालम की सुपरहिट थ्रिलर फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक प्रियदर्शन करेंगे और इसकी शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। फिल्म में सैफ एक नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाएंगे और इस भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए वह पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट कलारीपयडू भी सीखेंगे।

सैफ की यह ट्रेनिंग इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के प्रति उनकी कमिटमेंट को दर्शाता है, जिसमें फिजिकल स्किल और इमोशनल इंटेंसिटी दोनों की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैफ, राहुल ढोलकिया की फिल्म पूरी करने के बाद दो महीने का ब्रेक लेंगे। इस इस दौरान वह नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाने की तैयारी के लिए वर्कशॉप में भाग लेंगे। इसके बाद, वह कलारीपयडू सीखने के लिए केरल जाएंगे, क्योंकि उनका किरदार एक कुशल मार्शल आर्टिस्ट का है। मूल फिल्म ओप्पम में मोहनलाल का किरदार अपनी तेज सूंघने, सुनने और छूने की क्षमता के जरिए रहस्य को सुलझाता है और सैफ भी हिंदी रीमेक में उसी परफेक्शन को लाने के लिए कमिटेड हैं। वह इसमें इंटेंस एक्शन सीक्वेंस करते दिखेंगे।

ओप्पम जयरामन नाम के शख्स की कहानी बताती है, जो नेत्रहीन है और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की बेटी की रक्षा करता है, जिसकी हत्या उस व्यक्ति ने की है जिसे न्यायाधीश ने एक जुर्म के लिए सजा सुनाई थी। हिंदी रीमेक का निर्देशन करने के साथ ही प्रियदर्शन इसकी राइटिंग भी कर रहे हैं।

वीरता की गाथा के साथ बड़ा मैसेज भी देगी केसरी वीर, इतिहास के सबसे अहम अध्याय को समर्पित

जल्द ही प्रिंस धीमान निर्देशित फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी एक योद्धा का किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी कहेगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने सोमनाथ मंदिर की रक्षा की थी, यही फिल्म की कहानी है। यह पहली बार नहीं है कि सुनील शेट्टी किसी एक्शन फिल्म कर हिस्सा बन रहे हों, वह अपने करियर में कई एक्शन फिल्म कर चुके हैं।

आपका किरदार इतिहास से है। इसके लुक पर क्या सावधानियां रखीं?

वेगड़ा जी शिव भक्त योद्धा हैं, जिनके रुद्राक्ष, माला, केश, दाढ़ी और खास वेशभूषा उनकी पहचान हैं। पूरी फिल्म में एक ही कपड़े पहने यह किरदार आम शिवभक्त या भील राजा जैसा दिखता है। पिता के रूप में नियंत्रित, पर मुगलों के खिलाफ आक्रामक योद्धा के रूप में नजर आता है।

कहीं से कोई किरदार था, जिससे इत्पायर होकर इसे आपने निभाया?

हमने महाभारत के शूरवीरों से प्रेरित होकर भी वेगड़ा जी का किरदार डिजाइन किया है। क्लाइमैक्स में वह कालजयी रूप लेता है। वरना पूरी फिल्म में नियंत्रित दिखने वाला यह किरदार, अंत में अपने गुस्से के विस्फोट से सुनील शेट्टी नहीं, सिर्फ वेगड़ा जी के रूप में ही पहचाना जाएगा।

क्या यह भी जेहन में था कि इसका स्केल बहुत बड़ा रखा जाए?

बजट की कमी के बावजूद, हमने प्रामाणिक कैमरा वर्क, कॉस्ट्यूम, बैकग्राउंड स्कोर और शूटिंग से स्केल बनाए रखा। फिल्मसिटी के जंगलों को वॉर जोन जैसा बनाकर, कंकड़-पत्थरों और पेड़ों के बीच असली एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इसका मकसद वेगड़ा जी और हमीरजी गोहिल के वास्तविक गोरिल्ला युद्ध शैली को दिखाना है, जैसे उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों का सामना किया था। हमने जंगलों को जस का तस रखा।

शांत रोल्स के विपरीत, वेगड़ा के ललकार वाले सीन में आपने क्या सोचा था?

करो या मरो वाली स्थिति में गुस्सा स्वाभाविक है, जैसा बॉर्डर में भी था। मौत के तांडव में इंसान का आक्रामक रूप दिखता ही है। वेगड़ा जी की जगह खुद को रखकर, दुश्मन को मारने के सिवा कोई और विकल्प नहीं सूझा। एक्शन के साथ आंखों में गुस्सा लाना जरूरी था। डबिंग में आंसू थे, क्योंकि पिता अपनी बेटी को कुछ न दे पाने की हालत में जान तक देने को तैयार था।

क्या फिल्म में कोई मैसेज भी है?

हमारी फिल्म का यही संदेश है कि हमें बंटना नहीं है, एकजुट रहना है क्योंकि उस दौर में वेगड़ा जी जैसे वफादार योद्धा तो थे लेकिन कई राजा दुश्मनों से मिल गए और उनके मुखबिर बन गए, जिसका नतीजा सबको पता है।

नैरटिव की ऐतिहासिक सटीकता कितनी है?

हमारे डायरेक्टर प्रिंस धीमान बहुत सच्चे रहे हैं, हर पहलू को लेकर। सोमनाथ मंदिर पर दर्जन भर से ज्यादा बार हमले हुए। उसमें से जो चौथी बार का हमला था, हमारी कहानी उस बारे में है। युद्ध के स्केल को बड़ा दिखाने के लिए जरूर क्रिएटिव कोशिशें हुई हैं, मगर जो वेगड़ा जी का अपनी बेटी के प्रति एक बेपनाह प्यार था, वह बिल्कुल सच्चा रखा गया है।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा , गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307 , 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नही है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।